53rd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

May, 2017 No. 05 Vol XXXXXIIV

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,120 शकसंवत् 1939

वैशाख-ज्येष्ठ 2074 दयानन्दाब्द 194 कलि संवत् 5119

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 55000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 09322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SACHINDANAND PANDA

MOB : 09437506798 (BHUBANESWAR)

Chairman Prakashan

ATAM DEV

RESI : 011-27315696 (DELHI)

Sub-Editor

MANOJ AWASHTI

MOB : 09953495747 (GHAZIABAD)

नीति समाचार के लिए केवल -niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/ BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''किसी नैतिकता की चीज को पाने के लिए कीमत चुकानी पड़ती है ओर वह कीमत काम, धैर्य, प्रेम या आत्म-बलिदान होती है। वह कोई कागजी मुद्रा नहीं होती।'' - जॉन बरोंज

CONTENTS

1. सम्पादकीय / संगठन के झरोखे से 4
2. संगठन के झरोखे से..... 5
3. National & Regional Level Setup 2017-18 6
4. Tentative Calendar of Activities 2017-18 12
6. रीजनल प्रौढ़ साधना शिविर 15
6. स्वास्थ्य 17
7. आओ कुछ हंस लें 21
9. विविध गतिविधियाँ 24
10. देहदान नेत्रदान 34

विशेष

1. Joint Family the Cradle of Sanskar- Shri S.N.Panda, National Vice President, East Region, Page-19
2. भावनात्मक स्वास्थ्य, डॉ. सोलन अग्रवाल, पृष्ठ संख्या- 20
3. नेत्र रोगों से सावधान रहें, राजेन्द्र राज मिश्र (नागपुर) पृष्ठ संख्या- 23

मई मास के पर्व

01 : मजदूर दिवस,
09 : गुरु रविन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती,
10 : बुद्ध पूर्णिमा, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम आरम्भ
25 : वट सावित्री,
28 : वीर सवारक जयन्ती, महाराणा प्रताप जयन्ती

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com, niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में उत्तर प्रदेश के चुनाव कुछ आश्चर्यजनक निष्कर्षों के साक्षी बने। चुनाव में मतदान के समय उम्मीदवार की जाति, पार्टी, नेतागिरी की क्षमता, घोषणा पत्र के साथ जनता में उनकी लोकप्रियता का मापदण्ड नहीं माना। उत्तर प्रदेश में जाति के मुद्दे नकार दिये गये, कमजोर नेताओं के समूहों से ताकतवर नेतृत्व नहीं पनपता, विकास अपने में कोई मुद्दा नहीं होता। आखिरकार सभी सरकारे कमोवेश विकास के काम तो करती है। समाज का स्वाभिमान, अस्तित्व का संकट, घुट-घुट कर मरने जैसी नियति सहनशक्ति की कुछ सीमा होती है। प्रत्यक्ष लड़ाई तो विकास के मुद्दे पर ही लड़ी जा रही थी। लेकिन हृदय की गहराईयों में कुछ प्रश्न चिन्ह खड़े थे अस्तित्व के लिए संघर्ष। इसीलिए तो जाति के बंधन, सम्प्रदाय के बंधन, ऊँच-नीच के बंधन सब बिखर गये। अब कोई पूछता है कि भारतीय जनता पार्टी ने मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया। तुष्टिकरण और जाति पर बड़बोलेपन का डिमडिम पीटने वाले समीक्षा करने की बात कर रहे हैं। आर्थिक विपन्न और गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को नोट बंदी के कदम पर इतनी खुशी हुई कि कल्पना करना कठिन है। यह सिद्ध हो गया कि सरकार गरीबों के लिए काम कर रही है। राजनैतिक विश्लेषक इन निष्कर्षों को स्वीकारने के बजाए भाव प्रवाह के गहरे निहितार्थ निकाल कर अपनी निष्कर्ष क्षमता की पीठ थपथपएंगे। उत्तर प्रदेश नई संकल्प शक्ति के साथ, नई ऊर्जा के साथ समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेगा। विकास की योजनाओं को रोका नहीं जाएगा लेकिन नौकरशाही के तानाशाही अंदाज पर ब्रेक जरूर लगेगा।

मुस्लिम महिलाओं के साथ असमानता का व्यवहार, उन्हें तिरस्कृत और अपमानित जीवन के लिए मजबूर करना और शरिया के नाम पर महिलाओं के प्रति अल्पसंख्यकों का तानाशाही रवैया एक बार फिर चर्चा में आया। 16 वर्ष की प्रतिभाशाली छात्रा नाहिद अफरीन ने टी.वी.शो इण्डियन आयडोल में दूसरा गौरवपूर्ण स्थान पाया। संगीत को उसने अपनी भविष्य की मंजिल बनाने की कोशिश की तो एक साथ 46 फतवों ने उसके कदम रोक दिये। धमकियाँ दी गई। असम सरकार ने उसे पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया। अभी मुस्लिम महिलाओं को खुली हवा में सांस लेने का समय नहीं आया। या यों कहें इस्लाम के कट्टरपंथियों को मुस्लिम महिलाओं के वागी तेवरों की पहचान नहीं हो रही है।

परिषद् के नये संविधान के आधार पर एक साल का कार्यकाल सम्पन्न हुआ। नई शाखाओं के बैंक खाता खुलने के बारे में नये नियम, शाखा की वार्षिक संबद्धता, लक्ष्य निर्धारण, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के प्रारूप आदि विषय देर ही सही सभी कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हुए। रीजनल कार्यशालाओं में प्रभावी प्रशिक्षण की कार्य योजना तैयार है। प्रकल्प समूहों का पुनर्निधारण हो रहा है। पहली बार प्रान्तीय टीम को दो वर्ष का कार्यकाल मिल रहा है। इसलिए रिपोर्टिंग, समाचार प्रेषण, शाखा विस्तार, मीडिया की सक्रियता, प्रान्त, रीजन ओर केन्द्र के संबंधों की जीवन्तता के प्रयास बेहतर होंगें, ऐसी अपेक्षा है। सभी प्रान्तों के वर्ष 2016-17 के ऑडिटेड आकउण्ट, आय व्यय वितरण, इटको सहित यथा शीघ्र केन्द्रीय कार्यालय में उपलब्ध कराये जाए। प्रशासनिक दृष्टि से क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण ने कुछ प्रान्तों में पुनर्सीमाकन के प्रस्ताव भी विचाराधीन है। केन्द्रीय नेतृत्व की सफलता बहुत कुछ प्रान्त और रीजन की सक्रिय कार्य प्रणाली से सुनिश्चित होती है। रक्तदान महाअभियान की स्वीकृति प्रदान कर केन्द्रीय नेतृत्व ने परिषद् को अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने में पहल की है। इस अभियान के द्वारा वर्ष में 1 लाख यूनिट रक्तदान तथा 5 लाख रक्तदाताओं का डाटा बैंक तैयार करने का लक्ष्य है। केन्द्र सरकार द्वारा देश के सभी सरकारी, गैरसरकारी रक्त बैंकों को परिषद् के इस अभियान में मेडिकल टीम प्रदान करने का अनुरोध किया गया। चिकित्सा जिलाधिकारी तथा भारत विकास परिषद् के समन्वय से अभियान सफल होगा। महाअभियान की विस्तृत जानकारी इस अंक में दी जा रही है। कृपया सहयोग बनाएं रखें। - **डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता**

'नीति' प्रेषण के लिए वर्ष 2017-18 के लिए नई शाखाओं की सूची अथवा पुरानी शाखाओं की संशोधित सूची केवल प्रान्तीय महासचिव के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी। कृपया फोन करके नाम जोड़ने के बारे में निवेदन न करें। प्रतिमास 'नीति' मासिक पत्रिका 27-28 की तारीखों में भारतीय डाक से भेजी जाती है। यदि आपको यह पत्रिका 10 तारिख तक प्राप्त न हो तो शाखा के पैड पर नाम, पता, (पिनकोड सहित) लिखित सूचना दें। -सम्पादक

वर्ष 2017-18 में रीजनल दायित्वधारियों में परिवर्तन करते समय कुछ महत्वपूर्ण विचारणीय बिन्दुओं की ओर ध्यान आकृष्ट हुआ। दायित्व के बिना समाज कार्य करने की प्रवृत्ति लगभग शून्य है। मैं अपने दायित्व निभा पा रहा हूँ या नहीं, दायित्व बना ही रहना चाहिए। व्यक्तिगत स्नेह, क्षेत्रीय संतुलन, व्यक्तिगत नाराजगी और पूर्व निश्चित अवधारणाओं के कारण किसी को शामिल करना अथवा मुक्त करना हमारे चिन्तन का आधार बन गया है। ऐसे में नये कार्यकर्ताओं को काम करने का अवसर नहीं मिल रहा है। हमारी इच्छा है कि परिषद् में नये खून का संचार होना चाहिए। युवा नेतृत्व विकसित होना चाहिए, नये तकनीकी, आयाम शामिल किये जाने चाहिए। लेकिन मेरे दायित्व से कोई छेड़ छाड़ नहीं होनी चाहिए। दोनों बातें विरोधाभासी है। शायद इन्हीं कारणों से परिषद् के कार्य विस्तार की गति कम है।

इस समस्या का समाधान कौन करेगा? अन्ततः हम सभी परिषद् के सुनहरे भविष्य को गति देने वाले कार्यकर्त्ताओ को ही इसका समाधान निकालना होगा। ऐसा लगता है कि जब तक हम सब कार्यकर्ता अपने सामूहिक योगदान के साथ-साथ वैयक्तिक योग्यता और योगदान का चिन्तन नहीं करेंगे, तब तक इसका समाधान असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है। नाम, प्रसिद्धि यश, प्रशंसा, मानवीय स्वभाव है। परन्तु इसकी सीमाएँ है।, कभी-कभी परिचय के समय प्रशंसा के इतने बड़े पुल बांधे जाते हैं, हमारे व्यक्तित्व में गुणों की खान के ऐसे हीरे जड़ दिये जाते हैं कि सामान्य श्रोताओं को वे चाटुकारिता की सीमा तक लगने लगते हैं। कभी-कभी ऐसा संयोग भी आता है काम कोई करे, श्रेय हमें ही मिले। ये प्रवृत्तियाँ हमें व्यक्तित्व को कम करती है। इनसे बचना ही अपेक्षित है। एक बात और हम एक अनुभवी, परिपक्व व्यवसायिक गुणवत्ता के लोग परिषद् के सदस्य बनते हैं, कार्यकर्ता बनते हैं, दायित्वधारी बनते हैं। हमें परिषद् के लिए अपेक्षित व्यवहार, सोच और मान्यताओं का कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। इसलिए ऐसी विषमताएँ होना स्वभाविक है। सत्संग, सामूहिक चिन्तन, सम्यक विचार करते इन भावों का निर्माण करना हमारा दायित्व है। - **धन्यवाद**

सपने देखना न छोड़ें

मनुष्य अपन आँखों में सुन्दर सपने सजाता है ओर उन्हें पूरा करने की भरपूर कोशिश करता है। जीवन में सफलता इन्हीं सपनों के आधार पर मिलती है। व्यक्ति जब तक सपनों को मूर्त रूप देने का प्रयत्न करता रहता है, तब तक उसका जीवन सफलता के सोपानों पर अग्रसर होता रहता है। लेकिन 35-40 वर्ष की उम्र बीतते ही लोग सपने देखना छोड़ देते हैं। ऐसा नकारात्मक विचार रखने वालों के जीवन में विकास का मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। लेकिन यदि कोई अपने जीवन में कुछ करने की ठान लें तो उम्र उसके कार्य में बाधा नहीं बनती और शरीर की ऊर्जा उसके कार्य में रूकावट नहीं डालती, क्योंकि उसका निश्चय मन से होता है, मन की शक्ति से होता है। इसलिए हर रूकावट को, हर मुश्किल व परेशानी को उसके आगे झुकने के लिए मजबूर होना पड़ता है। मन की शक्ति के कारण लीओनार्डो दा विन्सी ने अपनी एक प्रसिद्ध पेंटिंग ''मोनालिसा'' 51 साल की उम्र में बनाई और यह उनके जीवन में सबसे अधिक प्रशंसित हुई। नेल्सल मंडेला अपने जीवन में लम्बा संघर्ष करते रहे औ 75 साल की आयु में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने। भारतीय संस्कृति के प्रसिद्ध संवाहक गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी 90 वर्ष की आयु में रामचरित मानस को लिखना प्रारंभ किया था।

ब्रिटिश उपन्यासकार व कवि सी.एस.लुई का कहना था कि हम कभी इतने बूढ़े नहीं होते कि नए लक्ष्य न बना सकें, नये सपनों को न देख सकें। यदि हम ही आगे बढ़ने, लक्ष्य तय करने व सपने देखने से मना कर देंगे, तो कोई भी हमें इसके लिए तैयार नहीं कर सकेगा।

लक्ष्य का निर्धारण -

जिन्दगी को बेहतर बनाने की संभावना सदैव होती है, बस हमें इस ओर बढ़ने की जरूरत है। इसके लिए सबसे पहले अपने बारे में यह जानना जरूरी है कि हम क्या चाहते हैं? यह स्पष्ट रूप से जानने मात्र से हम अपनी आधी मंजिल तय कर लेते हैं। अपनी कार्य योजनाओं को छोटे-छोटे लक्ष्यों में विभाजित करें और फिर योजना के अनुसार कार्य करें। इसके साथ ही अपनी कार्य कुशलता को बढ़ायें। अपनी कमियों को पहचाने। निर्धारित कार्य के विशेषज्ञों से समय-समय पर सलाह और परामर्श लें।

जिन्दगी में कुछ ऐसे कार्य है, जिनके लिए उम्र कभी बाधा नहीं बनती जैसे - पढ़ाई शुरू करने के लिए, जीवन वृत्ति में बदलाव, रिश्तों में सुधार, प्रसिद्ध और सफल बनने, बुरी आदतों से छुटकारा पाने, कार्य कुशलता बढ़ाने, स्वयं में सुधार लाने आदि के लिए।

हमारी परिस्थिति और बीता हुआ कल भी इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता, यदि हम इन्हें पूरा करने की ठान लें। महान वैज्ञानिक एवं भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भी यही कहते थे कि 'जिन्दगी में सपने देखना न छोड़ें।'' जब उसके सपने मरते हैं, अधूरे रह जाते हैं, वह भी असहाय महसूस करता है। इसलिए हमेशा सपने देखते रहें। अपने सपनों को कभी मरने न दें।

BHARAT VIKAS PARISHAD
National & Regional level setup for the period 2017-18

National Level

1.	**National President**	Shri Sitaram Pareek	Mumbai
2.	**National Vice President - Head Office**	Dr. Suresh Chandra Gupta	Farrukhabad
3.	**National Vice President - North**	Shri Surinder Kumar Wadhwa	Delhi
4.	**National Vice President - North Central**	Shri Keshav Dutt Gupta	Agra
5.	**National Vice President - East**	Shri Sachidananda Panda	Bhubaneswar
6.	**National Vice President - North East**	Dr. (Smt.) Indira Barthakur	Guwahati
7.	**National Vice President - Central**	Shri P.K.Jain	Kota
8.	**National Vice President - West**	Shri Ajit Raman Lal Shah	Ahmedabad
9.	**National Vice President - South**	Shri N. Daulath Rao	Bangalore
10.	**National Secretary General**	Shri Ajay Dutta	Chandigarh
11.	**National Finance Secretary**	Shri Om Prakash Kanoongo	Mumbai
12.	**National Organizing Secretary**	Shri Suresh Jain	Delhi
13.	**National Auditor General**	Shri Sampat Khurdia	Mumbai
14.	National Addl. Secy. General - Finance & Accounts	Shri Sanjeev Kumar Bansal	Moradabad
15.	National Addl. Secy. General - Head Office	Shri Chander Sain Jain	Rohtak
16.	National Addl. Secy. General - North	Shri Vineet Garg	Delhi
17.	National Addl. Secy. General - North Central	Dr. R.B. Srivastava	Raebareli
18.	National Addl. Secy. General - East	Dr. Balmiki Kumar	Patna
19.	National Addl. Secy. General - North East	Shri Swadesh Ranjan Goswami	Kolkata
20.	National Addl. Secy. General - Central	Shri Arun Daga	Gwalior
21.	National Addl. Secy. General - West	Shri Dattatreya Bal Chitale	Pune
22.	National Addl. Secy. General - South	Shri Ramesh Chander Jain	Vishakhapatnam
23.	National Addl. Secy. General - Gram Vikas	Shri Girish Prasad Singh	Ranchi

Chairman Project Committees:

24.	National Chairman (Sewa)	Shri Yash Paul Gupta	Ludhiana
25.	National Chairman (Sanskar)	Shri Jiwan Ram Gupta	Orai
26.	National Chairman (BKJ & GVCA)	Shri Neeraj Gupta	Mumbai
27.	National Chairman (NGSC)	Dr. Shubh Karan Jain	Mumbai
28.	National Chairman (Gram Vikas)	Shri Ashok Jadhav	Dewas
29.	National Chairperson (Mahila & Bal Vikas)	Smt. Avinash Sharma	Jind
30.	National Chairman (Sampark)	Shri Shyam Lal Sharma	Kota

National Secretaries:

31. National Secretary (BKJ & GVCA)	Dr. Tarun Sharma	Agra
32. National Secretary (Sampark)	Shri Mithilesh Kumar Verma	Motihari
33. National Secretary (Sanskar)	Shri Ajay Bansal	Gwalior
34. National Secretary (Legal)	Shri B.L.Gaggar	Mumbai
35. National Secretary (Mahila & Bal Vikas)	Smt. Shashi Azad	Delhi
36. National Secretary (NGSC)	Dr. Tribhuwan Sharma	Bikaner
37. National Secretary (Sewa)	Shri Rakesh Kumar Gupta	Bhiwadi
38. National Secretary (Prakashan)	Shri Mahesh Sharma	Delhi
39. National Secretary (Editor Gyan Prabha)	Dr. Champa Srivastava	Raebareli
40. National Secretary (North)	Shri Rakesh Sehgal	Chandigarh
41. National Secretary (North)	Dr. Anil Kalia	Jalandhar
42. National Secretary (North)	Shri Shriniwas Bihani	Fazilka
43. National Secretary (North)	Shri Sudhir Verma	Ambala Cantt.
44. National Secretary (North)	Shri Nidhish Gupta	Delhi
45. National Secretary (North Central)	Shri Sunil Khera	Rudrapur
46. National Secretary (North Central)	Shri Manoj Goel	Haridwar
47 National Secretary (North Central)	Kulbhushan	Sahibabad
48. National Secretary (North Central)	Shri Mukesh Jain	Lucknow
49. National Secretary (North Central)	Shri Brahma Nand Peshwani	Varanasi
50 National Secretary (East)	Shri Bimal Kumar Jain	Patna
51. National Secretary (East)	Shri Pramod Kumar Ambashtha	Ranchi
52. National Secretary (East)	Smt. Geeta Patnayak	Bhubaneswar
53. National Secretary (East)	Shri A.N. Choudhary	Kolkata
54. National Secretary (North East)	Shri Sankarlal Chakraborty	Guwahati
55. National Secretary (North East)	Shri Angshu Kumar Ray	Silchar
56. National Secretary (Central)	Shri Rajesh Jain	Katni
57. National Secretary (Central)	Shri Sitaram Goyal	Kota
58. National Secretary (Central)	Shri D. D. Sharma	Pali
59. National Secretary (Central)	Shri Mukan Singh Rathore	Bhilwada
60. National Secretary (Central)	Shri Raman Chaddha	Dewas
61. National Secretary (West)	Shri Girish Doshi	Satara
62. National Secretary (West)	Smt. Mangala Madhav Savadikar	Nasik
63. National Secretary (West)	Shri Vallabhbhai M. Ramani	Ahmedabad
64. National Secretary (South)	Shri P. S. Gopinath	Kochi
65. National Secretary (South)	Shri V. Sankar	Chennai

66.	National Secretary (South)	Shri Dhulipal Purushotam Sastry	Rajahmundry
67.	National Secretary (South)	Shri Jagadish M. Maligi	Dharwad
68.	National Secretary (South)	Shri K. Veerabhadra	Hyderabad
69.	National Secretary Finance (North)	Shri Harinder Gupta	Patiala
70.	National Secretary Finance (North Central)	Shri Anirudh Aggarwal	Ghaziabad
71.	National Secretary Finance (East)	Shri Pawan Kumar Lilha	Kolkata
72.	National Secretary Finance (North East)	Shri Arindam Bhattacharya	Silchar
73.	National Secretary Finance (Central)	Shri Mal Chand Garg	Kishangarh
74.	National Secretary Finance (West)	Shri Raj Kumar Bhagat	Ahmedabad
75.	National Secretary Finance (South)	Shri Narpat Raj F. Jain	Vijayawada

Regional Level

1.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Arun Sharma	Jammu
2.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Sushil Sharma	Pathankot
3.	Regional Secretary Organisation - North	Smt. Seema Joshi	Patiala
4.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Raj Kumar Aggarwal	Faridabad
5.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Sanjeev Miglani	Delhi
6.	Regional Secretary Sewa - North	Shri Dev Raj Sharma	Gandhinagar
7.	Regional Secretary Sewa - North (JK-PB)	Dr. Rajesh Puri	Moga
8.	Regional Secretary Sewa - North	Dr. Vasudev Bansal	Narwana
9.	Regional Secretary Sewa - North	Shri Madan Malik	Delhi
10.	Regional Secretary Sanskar - North (JK-HP)	Dr. (Smt.) Santosh Gupta	Jammu
11.	Regional Secretary Sanskar - North	Shri Rakesh Sachdeva	Moga
12.	Regional Secretary Sanskar - North	Shri C.P. Ahuja	Fatehabad
13.	Regional Secretary Sanskar - North	Dr. Vijay Prabha	Delhi
14.	Regional Secretary Sampark - North (JK-HP)	Shri Joginder Madan	Karnal
15.	Regional Secretary Sampark- North	Dr. Rajesh Manan	Jalandhar
16.	Regional Secretary Sampark - North	Shri Praveen Singhal	Ganaur
17.	Regional Secretary Sampark - North	Shri Ashok Azad	Delhi
18.	Regional Secretary Mahila - North	Smt. Archana Singhal	Delhi
19.	Regional Secretary Gram Vikas - North	Shri Radhe Sham Mahajan	Dinanagar
20.	Regional Secretary Org. - North Central	Shri Ajay Kumar Bishnoi	Moradabad
21.	Regional Secretary Org.- North Central	Shri Anurag Dublish	Mawana Meerut
22.	Regional Secretary Org. - North Central	Shri Rajeev Aggarwal	Agra
23.	Regional Secretary Org. - North Central	Shri Pawan Aggarwal	Lucknow
24.	Regional Secretary Org. - North Central	Shri Naveen Kumar Srivastava	Varanasi
25.	Regional Secretary Sewa - North Central	Dr. Nitin Dalabh	Sambhal (U.P.)

26.	Regional Secretary Sewa- North Central	Vineet Sangal	Shamali
27.	Regional Secretary Sewa- North Central	Shri Sanjeev Jain	Firozabad
28.	Regional Secretary Sewa- North Central	Shri Shashi Bhushan Gupta	Kannouj
29.	Regional Secretary Sewa- North Central	Shri Pramod Ram Tripathi	Varanasti
30.	Regional Secretary Sanskar- North Central	Shri Bhagwan Sahai Aggarwal	Haldwani
31.	Regional Secretary Sanskar- North Central	Shri Satyendra Gupta	Dehradun
32.	Regional Secretary Sanskar- North Central	Shri Naveen Kumar	Khurja
33.	Regional SecretarySanskar- North Central	Shri Bharat Bhushan Juneja	Kanpur
34.	Regional Secretary Sanskar- North Central	Shri Shiv Nanadan Gupta	Allahabad
35.	Regional Secretary Sampark- North Central	Shri Narendra Arora	Rudrapur
36.	Regional Secretary Sampark- North Central	Smt. Dolly Dabral	Dehradun
37.	Regional Secretary Sampark- North Central	Shri Maithili Sharan Gupta	Jhansi
38.	Regional Secretary Sampark- North Central	Dr. Harish Chandra Gupta	Raebareli
39.	Regional Secretary Sampark- North Central	Shri Bholanath Baranawal	Varanasi
40.	Regional Secretary Mahila - North Central	Smt.Shalini Agarwal	Rudrapur
41.	Regional Secretary Mahila - North Central	Smt.Neelam Mittal	Moradabad
42.	Regional Secretary Mahila - North Central	Dr. Divya Lahari	Aligarh
43.	Regional Secretary Mahila - North Central	Smt. Sunita Rastogi	Lucknow
44.	Regional Secretary Mahila - North Central	Smt. Madhuri Dwivedi	Allahabad
45.	Regional Secretary Org. - East	Shri Udai Chand Gupta	Nalanda
46.	Regional Secretary Org. - East	Shri B.D.Sahu	Maithon
47.	Regional Secretary Org.- East	Shri Ajay Das	Bhubaneswar
48.	Regional Secretary Org.- East	Shri Jagadish Prasad Mundra	Kolkata
49.	Regional Secretary Sewa - East	Dr. S. N. Patel	Motihari
50.	Regional Secretary Sewa - East	Shri Deepak Kumar Ruia	Dhanbad
51.	Regional Secretary Sewa- East	Shri B.K.Mishra	Bhubaneswar
52.	Regional Secretary Sewa - East	Shri Loknath Dokania	Kolkata
53.	Regional Secretary Sanskar - East	Shri Ghanshyam Sugla	Kolkata
54.	Regional Secretary Sanskar- East	Prof. Ranjit Kumar Verma	Gaya
55.	Regional Secretary Sanskar - East	Shri Raman Sinha	Bokaro
56.	Regional Secretary Sanskar - East	Shri S.S. Sharma	Sambalpur
57.	Regional Secretary Sampark- East	Shri Rajkishore Prasad	Begusarai
58.	Regional Secretary Sampark- East	Shri Kundan Kumar Sinha	Dharnbad
59.	Regional Secretary Sampark- East	Shri G.P.Mishra	Bhubaneswar

60. Regional Secretary Sampark- East	Shri A.K.Verma	Bankura
61. Regional Secretary Mahila - East	Smt. Sangeeta Chitrans	Muzaffarpur
62. Regional Secretary Mahila - East	Smt. Sarita Sinha	Bokaro
63. Regional Secretary Mahila - East	Smt. Bijay Dubey	--------
64. Regional Secretary Mahila - East	Dr. Reeta Bhattacharya	Kolkata
65. Regional Secretary Org. - North East	Shri Vinod Bagaria	Tezpur
66. Regional Secretary Sewa - North East	Shri Pratha Pratim Dutta	Guwahati
67. Regional Secretary Sanskar - North East	Shri Dipok Kumar Dutta	Bongaigoan
68. Regional Secretary Sampark - North East	Shri Rajkumar Dilip Singh	Imphal
69. Regional Secretary Mahila - North East	Prof. Bina Bora	Dibrugarh
70. Regional Secretary Org.- Central	Shri Anil Goyal	Jodhpur
71. Regional Secretary Org.- Central	Shri Ghanshyam Sharma	Suratgrh
72. Regional Secretary Org.- Central	Dr. Jairaj Acharya	Udaipur
73. Regional Secretary Org.- Central	Dr. K.S.Mangal	Gwalior
74. Regional Secretary Sewa - Central	Shri Pawan Kumar Aggarwal	Kishangarh
75. Regional SecretarySewa - Central	Shri Yudhishther Trivedi	Banswara
76. Regional Secretary Sewa - Central	Dr. Madan Gopal Varshney	Udaipur
77. Regional Secretary Sewa - Central	Shri R.K.Chopra	Gwalior
78. Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Ashok Mittal	Alwar
79. Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Santosh Gupta	Gangapur City
80. Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Ashok Vashishtha	Kota
81. Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Pradeep Agarwal	Ujjain
82. Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Balraj Acharya	Bhilwara
83. Regional Secretary Sampark- Central	Shri Hari Prasad Sharma	Swaimadhopur
84. Regional Secretary Sampark - Central	Shri Arvind Garg	Bilaspur
85. Regional Secretary Mahila - Central	Dr. (Smt.) Santosh Godha	Udaipur
86. Regional Secretary Mahila - Central	Smt. Jyoti Jain	Indore
87. Regional Secretary Gram Vikas - Central	Dr. Bhanwar Lal Hirawat	Udaipur
88. Regional Secretary Gram Vikas - Central	Dr. B. L. Kumawat	Udaipur
89. Regional Secretary Org. - West	Shri Kiran Naik	Goa
90. Regional Secretary Org. - West	Shri Himmatsingh N. Rathod	Ahmedabad
91. Regional Secretary Org.- West	Shri Umesh Rathi	Nasik
92. Regional Secretary Sewa - West	Shri Bharatbhai Chimanlal Thakkar	Harij
93. Regional Secretary Sewa - West	Shri Rajendra Jog	Pune

94. Regional Secretary Sanskar - West	Shri Vinodhbhai H. Shah	Ahmedabad
95. Regional Secretary Sanskar - West	Shri K. K. Aggarwal	Mumbai
96. Regional Secretary Sampark - West	Shri Jagdish R. Rana	Ahmedabad
97. Regional Secretary Sampark - West	Shri S.S.Gupta	Mumbai
98. Regional Secretary Mahila - West	Smt. Sujata Khatavkar	Pune
99. Regional Secretary Org. - South	Shri P. V. Athikayan	Kochi
100.Regional Secretary Org. - South	Shri K.K.Janardhanan	Chennai
101.Regional Secretary Org. - South	Shri K. N.Ramaraj Urs	Bangalore
102.Regional Secretary Org. - South	Shri M.R.V.Sharma	Rajahmundry
103.Regional Secretary Org. - South	Shri K.V.S.Prasad	Hyderabad
104.Regional Secretary Sewa - South	Shri K. P. Harihara Kumar	Kochi
105.Regional Secretary Sewa - South	Shri Chella Subhrahmnyam	Chennai
106.Regional Secretary Sewa - South	Shri S. Gopal Rao	Anakapalli
107.Regional Secretary Sewa - South	Shri Goli Damodar Reddy	Hyderabad
108.Regional Secretary Sewa - South	Dr. B.D.Patel	Bangalore
109.Regional Secretary Sanskar - South	Shri H.B. Shivalingappa	Bangalore
110.Regional Secretary Sanskar - South	Shri C.Rajeshwar Rao	Hyderabad
111.Regional Secretary Sanskar - South	Shri R.R.S. Patanaik	Kakinada
112.Regional Secretary Sampark - South	Shri Panduranga Nayak	Belgavi
113.Regional Secretary Sampark - South	Shri M.V.V.Satyanarayana	Visakhapatnam
114.Regional Secretary Sampark - South	Shri Kasi V. Rao	Hyderabad
115.Regional Secretary Mahila - South	Smt. Sujana Prabha	Rajahmundry

- National Secretary General

नोट : राष्ट्रीय मंत्रियों तथा रीजनल सचिवों की सूची के प्रारूप में इस वर्ष परिवर्तन किया गया है। रीजनल सचिवों में संगठन, संस्कार, सेवा एवं सम्पर्क को नामित किया गया है। महिला सहभागिता के लिए भी प्रावधान किया गया है। रीजनल दायित्वधारियों की संस्तुति पर कार्य विस्तार के लिए नये लोगों को सम्मिलित करना, अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लेना और कार्य का विस्तार करना अपनी नीति है। व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है, कार्य और विचार महत्वपूर्ण है। नई व्यवस्था में सभी सहयोग करें। - राष्ट्रीय महामंत्री

नारी का सदैव सम्मान करें।

एक विदेशी महिला स्वामी विवेकानन्द के समीप आकर बोली मैं आपसे शादी करना चाहती हूँ। विवेकानन्द बोले क्यों? मुझसे ही क्यों? क्या आप जानती नहीं कि मैं एक सन्यासी हूँ? औरत बोली मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजोमयी पुत्र चाहती हूँ और वो तब ही सम्भव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

विवेकानन्द बोले हमारी शादी तो सम्भव नहीं है, परन्तु हाँ एक उपाय है। औरत-क्या? स्वामी जी बोले आज से मैं आपका पुत्र बन जाता हूँ। आज से आप मेरी माँ बन जाओ। आपको मेरे रूप में मेरे जैसा बेटा मिल जाएगा। औरत विवेकानन्द के चरणों में गिर गई और बोली आप साक्षात् ईश्वर के रूप है। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ एक सच्चा पुरुष सच्चा मर्द वो ही होता है जो हर नारी के प्रति अपने अन्दर मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

TENTATIVE CALENDAR OF ACTIVITIES: 2017-18

Central/Regional

April-2017

Central

1. Chintan Baithak.
2. Core Group Meeting.
3. Finalizing of Calendar of activities for the whole year.
4. Planning of Pravas of National Elected Office Bearers for first quarter.

Regional

1. Regional Workshops of National /Regional & Prantiya Office Bearers.
2. Planning of Pravas of National Elected Office Bearers for first quarter.
3. Regional Executive Meeting

May-2017

Central

1. Core Group Meeting.

Regional

1. Regional Workshops.
2. Regional Executive Meet.

June-2017

Central

1. Core Group Meeting.
2. National Level Trust & properties Meeting.
3. Project Committee Meeting.

Regional

1. Regional Executive Meeting

July-2017

Central

1. Core Group Meeting.
2. Pravas Reporting for earlier quarter & planning of pravas for the next quarter.
3. Financial statement of previous year.
4. Meeting of BKJ Committee.
5. Meeting NGSC Committee.

August-2017

Central

1. Core Group Meeting.

Prants

April-2017

1. Prantiya Adhivation / Prantiya Workshops.
2. Approval of audited accounts of 2016-17 & Presentation of Budget.
3. Finalizing of Calendar of activities for the Year 2017-18.
4. Remitting of Central Share.
5. Planning of Pravas of Elected Office Bearers for first quarter.

May-2017

1. Prantiya Worskhops.
2. Branch expansion drive.
3. Planning & Review of permanent Projects and submission of complete detail to Centre.

June-2017

1. Submission of branch wise membership list with full address.
2. Verification Niti of dispatch list by any elected Prantiya Office Bearer.
3. Branch expansion drive.

July-2017

1. Foundation Day Celebration.
2. State level Youth events.
3. Meeting Prantiya Sanskar Pramukh with Branch Office Bearers.
4. Pravas Reporting for earlier quarter & planning of pravas for the next quarter.

August-2017

1. State executive/ state council meet.
2. Branch Expansion Drive.

Branches

April-2017

1. Annual General Body Meeting.
2. Approval of audited accounts of 2016-17 & Presentation of Budget.
3. Membership Drive.
4. Finalizing of Calendar of activities for the whole year & planning of new projects.
5. Remitting of Central & Prant Share.
6. Meeting of Branch Executives & Approval of Calendars.
7. Celebrations of Festival..
8. Planning of Pravas of Elected Office Bearers for next quarter.

May-2017

1. Membership drive
2. Bal Sanskar Shivir
3. Remitting of Prant & Central Share
4. Discussion on Branch visit during earlier month by elected office bearers
5. Planning of GVCA programme
6. Celebrations of Monthly Festivals

June-2017

1. Membership drive.
2. Bal Sanskar Shivir.
3. Remitting of Prant & Central Share.
4. Organization of Youth events/ Yuva Shivirs.
5. Distribution of note books & uniforms.
6. Celebrations of Monthly Festivals.

July-2017

1. Foundation Day Celebration
2. Tree Plantation.
3. Yuva Shivirs/Youth Events/ Seminars.
4. Planning of Sahal (get together) of members' Families.
5. NGSC Branch level.
6. Celebrations of Monthly Festivals.

Central/Regional	Prants	Branches
2. Approval of financial accounts & review of Budget for the year. 3. National Office Bearers Meeting. 4. Presentation & Approval of Audited Accounts-2016-17. **Regional** 1. Regional Executive Meet. 2. Regional Council Meet. **September-2017** **Central** 1. Core Group Meeting. **Regional** 1. Regional Executive Meeting. **October-2017** **Central** 1. Core Group Meeting. 2. Pravas Reporting for earlier quarter & planning of pravas for the next quarter. **Regional** 1. Regional Coordination Committee Meetings. 2. Regional Level NGSC 3. Regional Level BKJ **November-2017** **Central** 1. Core Group Meeting. 2. National level NGSC. 3. National level BKJ Conpetition **December-2017** **Central** 1. Core Group Meeting. 2. Planning of Pravas of next quarter. **Regional** 1. Regional Conferences. **January-2018** **Central** 1. Core Group Meeting. 2. Reporting on pravas previous quarter. **Regional** 1. Review of Nine month progress of the Regiona. **February-2018** **Central** 1. Core Group Meeting. **Regional** 1. Regional Council Meeting	**September-2017** 1. Prant level Mahila Karya Karta Workshop. 2. NGSC Prant level. **October-2017** 1. NGSC Prant level. 2. Pravas Reporting for earlier quarter & planning of pravas for the next quarter. **November-2017** 1. BKJ Prant level. 2. Guru Teg Bahadur Balidan Diwas. **December-2017** 1. Prantiya Executive Meeting to take progress & planning for ZCC Meeting. 2. Planning of Pravas of next quarter. **January-2018** 1. Prant level elections 2. Celebration of Swami Vivekananda Jayanti. **February-2018** 1. Prant level elections.	7. Pravas Reporting for earlier quarter & planning of pravas for the next quarter. **August-2017** 1. Independence Day Celebrations. 2. Tree Plantation. 3. NGSC Branch Level. 4. Bharat Ko Jano written Competition Branch Level. 5. Raksha Bandhan on 6th August. 6. Celebrations of Monthly Festivals. **September-2017** 1. Sanskriti Saptah. 2. NGSC Branch Level. 3. Guru Vandan Chhatra Abhinandan. 4. BKJ Competition Branch Level. 5. Celebrations of Monthly Festivals. **October-2017** 1. BKJ Branch level Prashna Manch. 2. Pravas Reporting for earlier quarter & planning of pravas for the next quarter. 3. Gandhi Jayanti / Swachhata Diwas on 2nd October. 4. Dusehara on 30th September. 5. Celebrations of Monthly Festivals. **November-2017** 1. GTB Balidan Diwas. 2. Deepawali on 9th October. 3. Celebrations of Monthly Festivals. **December-2017** 1. Branch executive meeting to takeoff progress & planning for PEC meeting. 2. Planning of Pravas of next quarter. 3. Celebrations of Monthly Festivals. **January-2018** 1. Swami Vivekananda birthday celebrations. 2. Republic day celebrations. 3. Makar Sankranti. 4. Celebrations of Monthly Festivals. **February-2018** 1. Annual elections of branches. 2. Celebrations of Monthly Festivals.

Central/Regional	Prants	Branches
2. Regional level Praudh Sadhana Shivir. **March-2018** 1. Core Group Meeting. 2. Formation of National Executive for 2019-20. 3. Reporting of pravas of previous quarter. 4. National Council Meeting. 5. National Executive Council Meeting.	**March-2018** 1. State Council Meeting. 2. Planning of Workshop for Office Bearers. 3. Reporting on pravas of previous quater.	**March-2018** 1. Annual elections of branches. 2. Planning of workshop for office bearer. 3. Reporting on pravas of previous qua 4. Celebrations of Monthly Festivals

Notes :

1. Viklang Camps / Health, Eye Care Camps *and awareness camps* should be held throughout the year, whenever convenient.
2. Each branch should adopt at least one village/slum or basti.
3. Each branch should have at least one permanent project.
4. To ensure remittance of Central/Prant share by 30th June as first instalment and full & final payment by 30th September, 2017 positively.
5. To contact electronic media/print media and dignitaries in the area to give wide publicity and larger participation of the elite of the society in the Parishad's Programmes.
6. Branch should take initiative to constitute help lines for needy senior citizen, women & children.

- **Ajay Dutta**, National Secretary General

चिन्तन बैठक के कुछ सूत्र

- समूहगान स्पर्धा का स्वरूप कुछ सीमित विद्यालयों में स्पर्धा का रह गया है। नियमित समूहगान द्वारा देशभक्ति भाव के लिए प्रयास किये जाएंगे।
- रक्तदान, सरल विवाह प्रकल्पों से सामाजिक संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता की प्रतीति होती है।
- नेत्रदान के लिए निकटवर्ती नेत्र बैंक से सम्पर्क कर नेत्र दान टीम का गठन करें।
- चिकित्सा शिविर में अति निर्धन परिवारों को चिन्हित कर स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध करावें।
- प्रमुख भवनों, विद्यालयों, धार्मिक स्थलों पर भारत माता का चित्र लगाने की योजना बनावें।
- स्वच्छता अभियान के लिए डस्टबिन की उपलब्धता।
- निर्धन परिवारों को वस्त्र वितरण करना।
- सरकारी स्कूलों में शिक्षा, स्वास्थ्य आहार के बारे में नियमित प्रयास करना।
- परिवारों मूल्यों, पर्यावरण, सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का संबर्धन करना।
- परिवार काउन्सिलिंग के प्रयोग करना।

कुछ निष्कर्ष

- रीजनल स्तर पर किये गये प्रयोग सफल रहे हैं।
- महिला, प्रौढ़ साधना शिविर, कार्य विस्तार में सहायक रहे हैं।
- रीजन इकाई सुदृढ़ बनी है।
- रीजनल प्रवास में बढ़ोतरी हुई है।

चिन्तन बैठक में माननीय भगैय्या जी ने परिषद् परिवार के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में अनौपचारिक मार्गदर्शन कर कार्यकर्त्ताओं से दिशा दिग्दर्शक चर्चा की। –**नीति डेस्क**

प्रौढ़ साधना शिविर

पूर्वी रीजन : झारखण्ड के मैथन शाखा के तत्वावधान में स्टेशन क्लब सभागार में प्रौढ़ साधना शिविर सम्पन्न हुआ। 100 प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूर्व चेयरमैन दामोदर वैली कॉरपोरेशन श्री आर.के.सिंह तथा बोकारो बी.पी.एच.सी.एल. के मुख्य कार्यकारी श्री त्रिवेनी सिंह ने शिविर का उद्घाटन करते हुए सेवा निवृत्ति के बाद सेवा के लिए परिषद् के प्रशिक्षण शिविरों की सराहना की। मैथन शाखा के अध्यक्ष के.एल.रूंगटा ने अतिथियों का स्वागत किया। एक बड़े कागज, एक छोटे काले धब्बे पर टिप्पणी करने के लिए कुछ विद्यार्थियों को कहा गया तो सभी ने 0.01 प्रतिशत पर काले धब्बे के बारे में लिखा लेकिन 99.99 प्रतिशत खाली कागज के बारे में कुछ नहीं लिखा। जीवन की समस्याओं को छोटी समझने की अपील की। दीपक रुइया महासचिव झारखण्ड ने स्वागत में कविता प्रस्तुत की। श्री त्रिवेनी सिंह ने कहा विकास के लिए सेवा करना, दान करना अच्छी बात है। परन्तु हम बिना संसाधन भी सेवा कर सकते है। खाद्य सामग्री को बरर्वाद न करें। गरीबों के लिए ग्रामीण विकास का भी धारणा विकसित करन होगी। एक बच्चा नदी के किनारे बैठा बालू में रेंगते केकड़ों को बालू से पानी में डाल रहा था। यह अन्तिम व्यक्ति की सेवा का एक उदाहरण है।

मुजफ्फरपुर से आये उत्तर बिहार के महासचिव बी.के.उप्पल, पंकज कुमार दत्ता अध्यक्ष मैथन ने सत्संग की महत्ता पर बल दिया। साथ रहना, सत्संग करना और साथ विचार करने से परिवार के टूटने को रोका जा सकता है। श्री उप्पल ने कहा कि 68 वर्ष की एक बूढ़ी महिला को परिवार ने छोड़ दिया वह ब्रह्मकुमारी सेवा धाम में रहती है। बुजुर्ग हमारी शान हैं। ब्रह्मानन्द कुमार जमशेदपुर ने कहा कि बुजुर्गों के सम्मान करके परिवार के विघटन को रोका जा सकता है। सेवा और त्याग का कोई विकल्प नहीं है। श्री रुंगटा ने कहा कि यह तकनीकी उन्नति का काल है। शिक्षा के कारण बच्चों का भविष्य सुदूर देशों में आकर्षण का केन्द्र है। अस्थायी और क्षणिक संबंधों के कारण घनिष्ठता नहीं रहती है ऐसे में परिवार से समायोजन कठिन हो जाता है।

एस.एस. सिंह ने स्वास्थ्य के लिए एक मित्र की आवश्यकता बताई। माँ प्रथम मित्र होती है। सहकर्मी भी मित्र होते हैं। प्रसन्न रहने के लिए यह आवश्यक है। यही अच्छे संबंधों का आधार है। इसके लिए अपने क्रोध, विचार तथा आदतों पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

डॉ. सरोजनी पटनायक उडीशा ने कहा कि परिवर्तनशील समाज में हमको रहन सहन के ढ़ंग में दूसरी पीढ़ी का साथ देना चाहिए। तभी परिषद् का शक्तिशाली संगठन बन सकेगा।

राष्ट्रीय स्तर के जिम्नास्टिक प्रशिक्षक अशोक कुमार मेहतो ने कहा ने कहा कि बड़ा परिवार होने से अनेक रिश्ते जैसे बाबा, दादी, चाचा, चाची, मौसा, मौसी, फूफा, बुआ आदि मिलने से प्यार का दायरा बढ़ता है। वर्तमान ने छोटे परिवारों में यह सबंध न होने के कारण प्यार न मिलता है, न देने का कोई साधन है। डॉ. विनय कुमार ने बताया कि हम लोग माता पिता के प्रति दायित्व निभाने थे, आज हम बच्चों के लिए जिम्मेवार है। भविष्य में बच्चे भी अपने बच्चे के प्रति जिम्मेदार होंगे। शुभकरण चौरसिया ने कहा कि भाईयों के बीच दीवार आने से परिवार सीमित हो गये हैं। भारत में पूरे गाँव को ही परिवार मानते थे। सीमित परिवार में भी सभी सदस्यों को अलग कमरा, अलग टी.वी., अलग संसाधन चाहिए। इसलिए संस्कारों का आभाव हो गया है। गाँवों से जुड़ाव न होने से ही अकेलापन होता है। नीलामणिकर उडीशा ने मानवीय मूल्यों के संरक्षण तथा सबको सम्मान की बात कही। जे. पटनायक ने बताया कि यदि परिवार की सीमाओं का विस्तार हो जाए तो समस्याएँ कम हो सकती है। उन्होंने आवास, भोजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

ब्रह्मकुमारी बी.के.पिन्की, बी.के.अनीता, डॉ. ममता ने अध्यात्मिक उद्बोधन में प्रेम का संदेश दिया। योग और ध्यान कराया। शारीरिक मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य से ही धर्म की धारणा से होती है। डॉ. ममता ने कहा तुम क्या हो? बचपन में बच्चे पेड़ से खेलते थे। आज हम सुखे पेड़ के सम्मान हो गये हैं, लेकिन प्रौढ़ हमारी धरोहर है। डॉ. सुनीता कुमार मित्रा, बी.के. शिवानी ने अहम और स्वाभिमान के संघर्ष की चर्चा कीं स्वाभिमान, चरित्र और व्यक्तित्व हमें आगे बढ़ा सकता है। श्री जी.पी.सिंह राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, डॉ. वाल्मीकि कुमार तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्यालय डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता ने विभिन्न सत्रों में टूटते परिवार, विघटन और वर्तमान जीवनशैली में बुजुर्गों का दायित्व कुटुम्ब प्रबोधन पर विचार प्रस्तुत किये।

शिविर को सफल बनाने में बी.डी.साहू, हरि प्रसाद, ममता, पी.के.सिन्हा, एस.एन.पटेल (मोतिहारी) आई.बी. चौधरी ने भोजन, आवास, सभागार की व्यवस्थाओं के लिए सदस्यों को सम्मानित किया।

उत्तर रीजन : जालंधर के दोआबा कॉलेज में उत्तर रीजन के प्रौढ़ साधना शिविर में 172 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार वधवा, राष्ट्रीय महामंत्री अजय दत्ता तथा विधायक मनोरंजन कालिया ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा शिविर में सेवा का प्रशिक्षण देने की योजना की सराहना की। राष्ट्रीय मंत्री संस्कार अजय बंसल ने संस्कार प्रकल्प के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों

के योगदान के विभिन्न आयामों की विस्तार से चर्चा की। कॉलेज के प्राचार्य श्री नरेश धीमन ने शिविर की सराहना की।

प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. बलराज गुप्ता ने बढ़ती उम्र में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी दी तथा प्रतिनिधियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। भारतीय योग संस्थान के साधक श्री विनोद कुमार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग और ध्यान के प्रयोग बताए। रतन हॉस्पिटल के सहयोग से नि:शुल्क मधुमेह जांच की गई। प्रान्त प्रचारक श्री प्रमोद जी ने बिखरते परिवारों एवं असंतुलित एवं स्वच्छन्द व्यवहार को संस्कृति के अनुरूप मॉडल परिवार व्यवस्था की आवश्यकता पर ओजस्वी वक्तव्य दिया। वरिष्ठ पत्रकार श्री चन्द्र मोहन ने आर्य समाज की शिक्षाओं और संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया। संस्कार देने वाले संयमित और आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नाटिकाएँ चर्चा का विषय रहे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एस.के.वधवा ने आधुनिक जीवनशैली, एकल परिवार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर प्रेरक विचार रखें। प्रतिनिधियों ने खुलकर शिविर की उपयोगिता और सार्थकता के बारे में विचार प्रस्तुत किये। रामकृष्ण मिशन चण्डीगढ़ के स्वामी सत्येशानन्द ने आर्य जीवन पद्धति, स्वामी विवेकानन्द के प्रासंगिक विचारों एवं राष्ट्रभक्ति के प्रसंगों का जिक्र किया। श्री विनीत गर्ग ने शिविर की सफलता के लिए टीम को बधाई दी। राजेन्द्र ऋषि, संतोष गुप्ता, विपिन ढ़ींगरा, हीरामणि अग्रवाल अध्यक्ष, जयपाल गर्ग तथा कॉलेज प्रबंधन को हार्दिक धन्यवाद दिया। आवास व्यवस्था के लिए देवी तालाब मंदिर समिति, हंसराज कॉलेज, डी.ए.वी. स्कूल, रतन हॉस्पिटल तथा पर्यावरण प्रभारी रमेश गोयल जी को सहयोग हेतु आभार किया गया। - **डॉ. राजेश मनन**।

Praudh Sadhna Shivir, Bangalore (Karnataka) : Shivir for south region was organized at Pyramid valley International Centre 40 kms from Bangalore. The delegates were treated to interactive programmes on health and spiritual matters for elders. Special meditation session was taken by brahmarshi. Pathriji in the unique Pyramidal ambience of the Ashram. Shri Venkat Chaalpathy and Sadanand Shastry, Shanker Shetty Ram Raj Urs assisted the team of volunteers included Yogarjan, Sathymurthy Dwarkanath Subramanya and Many others includes Vatsala Madan, Anjana Natesh, Usha Kiran and Shri Doodhaih.

Distinguished speakers as Smt. Vani Vasudev spoke on community with divine, Dr. Annjanappa on health and humour, Dr. Usha Bharat on "Live before you leave". T.V. Raju on Mental Health and power of mind". Dr. B.D.Patel on 'Rishis Ek Chintan" and N Daulath Rao on Prospective and Retrospective followed by ashirvachan on by Swami Yogeshwara Nanda. The camp was benefitted by the august presence of our national president Sitaram Pareek, National Coordinator S.C. Jain, Justice Rama Jois, Subram Shetty and CNN Raju.

सिद्धान्त हो तो ऐसा

यह उन दिनों की घटना है, जब देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पटना हाईकोर्ट में वकालत करते थे। वह अपनी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के लिए विख्यात थे। वह हमेशा पीड़ितों, वंचितों के पक्ष में खड़े होते थे और उन्हें न्याय दिलाने का भरपूर प्रयास करते थे। अपने इस सिद्धान्त के चलते वह लाखों रुपये फीस के प्रस्ताव भी आसानी से ठुकरा देते थे। एक बार विख्यात समाज सुधारक भवानीलाल संन्यासी का सिफरिशी पत्र लेकर एक व्यक्ति उनके पास आया।

उसका अपनी किसी निकट संबंधी विधवा महिला से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। वह राजेन्द्र बाबू को अपना वकील बनाना चाहता था। राजेन्द्र बाबू ने उसके कागजात देखे तथा गम्भीर होकर बोले, 'कागज देखकर मैं समझ गया हूँ कि इस सम्पत्ति का असली मालिक तुम नहीं, वह विधवा महिला है। तुमने इतनी चालाकी से कागज तैयार किए हैं कि कानूनी दृष्टि से तुम इसके हकदार बन सकते हो। पर विधवा महिला की आह तुम्हारे लिए बहुत घातक सिद्ध हो सकती है। मैं एक विधवा महिला का हक छीनने में तुम्हारी मदद बिल्कुल नहीं कर सकता। यह मेरे सिद्धांत के खिलाफ बात होगी। इसलिए मेरा सुझाव यह है कि तुम उस बेचारी की सम्पत्ति हजम करने के पाप से बचो। किसी की धन-सम्पत्ति हथियाने से व्यक्ति कभी भी सुख-शान्ति नहीं पा सकता।'

राजेन्द्र बाबू की बात सुनकर उसका हृदय बदल गया तथा उसने उनके सामने ही वे कागज फाड़कर फेंक दिए। इस तरह से राजेन्द्र बाबू लोगों का विचार बदल देते थे और कई बार मामला न्यायिक प्रक्रिया में जाने से पहले ही सुलझ जाता था। उनसे प्रभावित होकर कई लोग देश सेवा के रास्ते पर चले आए थे। -**शिशु मंदिर संदेश**

सम्राट मुजफ्फरनगर, हस्तिनापुर : शिक्षा सदन कन्या इण्टर कॉलेज दन्त चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में 205 छात्राओं का परीक्षण हुआ। इनको परामर्श तथा दवाएँ दी गई। पेट रोग के 55 मरीजों को डॉ. अजय तोमर ने परीक्षण किया। वैदिक पुत्री कन्या इण्टर कॉलेज की छात्राओं को मॉल भ्रमण तथा 3डी मूवी दिखाई गई। अनेक अनाथ छात्राओं की प्रसन्नता देखकर आयोजकों को प्रेरणा मिली। स्थायी प्रकल्प में गौ सेवा के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

वैशाली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर दिनांक 25 मार्च नववर्ष मेले में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसका संचालन रामकुमार गर्ग, पंकज त्यागी, विनीत जैन ने किया। कुल 27 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ जो रोटरी ब्लड बैंक, नोएडा को दिया गया।

इंदिरापुरम : भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर वैशाली, गाजियाबाद में आयोजित मेले में नेत्रदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मेले में आए लोगों को नेत्रदान विषय से अवगत कराया गया। अनिल भारद्वाज, शाखा अध्यक्ष इंदिरापुरम व उनके सहयोगियों की विशेष भूमिका रही।

रीजनल काउन्सिल बैठक (पूर्वी रीजन)

पूर्वी रीजन की काउन्सिल बैठक श्रीमती इंदिरा बड़ठाकुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। स्वदेश रंजन गोस्वामी ने पूर्वोत्तर राज्यों में शाखा विस्तार की स्थिति का विश्लेषण किया। गीता पटनायक एवं डॉ. वाल्मीकि कुमार ने संगठन संबंधी आकड़े प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री एस.एन.पाण्डा ने चुनाव संबंधी नियमों में परिवर्तन तथा राष्ट्रीय अधिवेशन के बारे में जानकारी दी।

बिहार के 4 प्रान्तों में शाखा सदस्य संख्या तथा केन्द्रीय अंश आदि का आकलन किया गया। इस क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता अनुभव की गई। रीजनल कोर कमेटी बनाने पर भी विचार हुआ। रीजन में प्रौढ साधना शिविर मैथन में सम्पन्न होगा। रीजनल कार्यशाला कोलकाता में, महिला सम्मेलन इम्फाल में, रीजनल परिषद् भूवनेश्वर में आयोजित करने पर सहमति बनी। बैठक में राष्ट्रीय समन्वयक श्री सुरेश जैन ने संगठन के सक्रिय करने पर बल दिया। संचालन श्री जी.पी.सिंह संयुक्त महामंत्री ने किया। राष्ट्रगान से बैठक सम्पन्न हुआ।

पड़वाला (तरावड़ी), हरियाणा उत्तर : शाखा द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गैस रिसाव दुर्घटना में हजारों लोगों की जान बचाने वाले फायर ऑफिसर श्री रामपाल को सम्मानित किया गया। रक्तदान के लिए जे.ई. प्रिंस लाठर ने विशेष रूप से प्रेरित किया। मुख्य अतिथि सुलतान सिंह सोलंकी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष रामपाल लाठर के साथ टीम ने व्यवस्था संभाली।

राजस्थान की जल स्वावलम्बन योजना

प्रदेश में जल स्वावलम्बन योजना ग्रामीण तथा कस्बों में खेती तथा पशुओं को जीवन देने में सफलीभूत हो रही है। राजस्थान की मरुभूमि पर जल स्वावलम्बन योजना की शुरूआत से अच्छे परिणाम आने लगे हैं। राज्य के कुएँ, तलाब, बावड़ी, कुंड जनता को जलापूर्ति में सकारात्मक भूमिका निभाते हैं। राज्य में स्वावलम्बन योजना के कारण जल संसाधन के स्वरूप को नया आयाम मिलता है। – **विकास सोमानी**, एडवोकेट

राजस्थान की परिषद् शाखाएँ बड़ी वृक्षारोपण, वर्षा जल पुनर्भरण के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। इस क्षेत्र में पर्यावरण के रीजनल मंत्री डॉ. मदन गोपाल वार्ष्णेय तथा पर्यावरण विद् डॉ. पी.सी.जैन के प्रयास प्रशंसनीय है। – **सम्पादक**।

भगतसिंह रोहतक, हरियाणा दक्षिण : महिला दिवस के अवसर पर शाखा द्वारा सिटी केबल ऑफिस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 62 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती संध्या जैन तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती समृद्धि जैन व मनीषा अग्रवाल ने भागीदारी की। बाबा कपिल पुरी तथा बाबा कर्णपुरी के सानिध्य में शिविर का आयोजन किया गया।

डॉ. किचलू-लुधियाना, पंजाब पश्चिम : शाखा द्वारा विकलांग शिविर में 34 रोगियों को कृत्रिम अंग, मशीने, व्हील चेयर बांटी गई। 6 रोगियों का पोलियो ऑपरेशन किया गया। कैंप में अनिल गुप्ता मैनेजिंग डायरेक्टर आटो टेक लिमिटेड ने आर्थिक सहायता देकर सेवा की प्रशंसा की। शिविर में मुनीष सूद विनोद शर्मा, वीरेन्द्र सोई, ने सहयोग किया। प्रभुजीत कौर ने विकलांग का उपचार कराने के बाद स्वावलम्बन से स्नातक तक की पढ़ाई की।

सनातन की एक और महानता ''माँ शीतला''

वैदिक परम्पराओं में रोजमर्रा किये जाने वाले कार्यों की महत्ता को पूजा से जोड़ने का अर्थ उसकी मान्यता को बढ़ावा देना।

- माँ शीतला के एक हाथ में झाड़ू, दूसरे में कलश, नीम के पत्ते, सूप हैं और माँ अपने वाहन गधे पर विराजमान हैं।
- वैदिक नववर्ष के 9 दिन पूर्व झाड़ू की पूजा का अर्थ है साफ सफाई करना। अत: सफाई अवश्य करें।
- कलश हमारी समृद्धि का द्योतक है। पूजा में पानी और अन्न का भरा कलश आवश्यक होता है।
- सूप से तात्पर्य है गेहूँ की फसल तैयार हो गई है। जिसके घर में सूप न हो पूजा के लिए सूप ले आवें और गेहूँ बधारे।
- नीम कड़वा और मीठा दोनों होता है। मीठा नीम दक्षिण भारत में सभी व्यन्जनों में बहुतायत से प्रयोग किया जाता है। गर्मी में चर्म रोग के लिए कड़वा नीम राम वाण होता है।
- गधा प्राचीन काल की सुलभ सवारी थी। इसलिए माँ शीतला का वाहन है।

–**गोपाल गोयल,** सम्पादक मुक्ति चक्र

Karimganj, Assam : Branch organized a Limb Delivery Camp at Karimganj. 11 artificial limbs and calipers were delivered to selected beneficiaries of measurement Camp held on 12th February 201. Branch also organized a (Post-Operative) Eye Camp on 10th March 2017 at Bipin Paul Vidya Niketan H. S. School, Karimganj. Total 31 patients were Dr. Arijit Das and Free Medicines were distributed.

Birjhora : A free medical camp was conducted on 19 March at Sivagorkhanath ashram in the village Roshigaon near Bongaigaon. Total 90 number of patients were checked. Free medicine were distributed.Dr. K. N. Dev Sarma and his team conducted the camp.Branch organized a Viklang Camp at Bogaigaon Law College Campus. 16 Tricycles, 4 wheel chairs, 3 viklang sticks crutches and one hearing aid was distributed to villagers. 10 CL Bogaigaon financially assisted the camp. G.C. Sikdar chief guest G.M. of 10 CL Bogaigaon was honoured in the camp. Shri N.J.Das and Sagar Lenka were present. Shri Sikdar appreciated the service done by BVP for handicapped persons. Shri J.B.Das, P.K. Bhagwati, Dr. K.N.Dev Sharma was also honoured in the programme.

E –LIFE

In this world of E-mails, E-ticket, E-paper, E-transfer and latest E-governance.

Never forget E-shwar (God) Who makes E-verything, E-asy for E-veryone, E-veryday. E -is much eminent letter of the English alphabet. Men and women do not exist without E. House and Home cannot be made without E, E-is the beginning of existence and the end of trouble. It is not at all in war but twice in peace. It is once in hell and twice in heaven. E-represents in E-motions hence all emotional relation like father, mother, brother, sister, wife, friends have E in them. Without E we would have no love, life, wife friend and hope. Hence go with E but without E-Go -**B.Subba Rao**

Manimajara, Punjab East : organized an Eye Checkup camp at G.N. Holy heart smart schools Maulijagran Chandigarh. Medical ban team from Grewal Eye institute will operate the patients. Dr. Balkata Singh and his team arranged the camp. 242 patients were checkup.

***

JOINT FAMILY THE CRADLE OF OUR SANSKAR

Question-What is joint Family?

Answer-Where 3 generations & relatives live under one roof-contact with relation should be for seven generations.

Question-Now-a-days, in schools, it is preached thatfamily means mother, father & child. Values of life are eroding fast. Please suggest remedies.

Answer-Children learnfirst Sanskar in their families. Sanskar is like plantation of a seed of human values into the subconscious of a child during the childhood so that adherence to these values becomes part of his nature which keeps on guiding him all through his life. Sanskar make life meaningful. for family a house is needed. The person who runs the house is Grihasti. Gruhini & Grihasti complement easch other to make the house a sweet home-a Mandir.

Question-How to revive the Joint Family?

Answer-Everyone knows the advantages of joint family. Drawn by the western culture which gives momentary pleasures, we have been pulled away from it. The purpose of this article is to suggest ways to revive the joint family culture.

Life is not a 100 meters' sprint. It is a marathon race. Life has four Purusarthas-Dharma, Artha, Kama, Mokhya. Now a days we are stuck up with Artha alone because it has become the be-all-and all of life. Life is similar to a river. The aim of river is to merge with the ocean. Similarly the Life's purpose is to attain Mokhya. We must no forget that our Atma has to become one with Paramatma which is Mokhya.

Of the four Ashramas of life, Grihastha is the best because it supports all the three others i.e Brahmacharya, Banaprastha & Sanyasa. Grihasthi is engaged in Lokesana, Putresana & Vittesana following the path of Bharma. He produces children for sustenance of the society. He considers childreb as wealth not burden. He nurtures them with love & care adding values to them. Marriage is a divine bondage. We show the newly married couple the stars Arundhati & Basistha who go around each others. The lesson to be learnt from these two. Stars is that husband & wife are complementary to each other.

Mother is the first guru of the child to teach Sanskar. Home is a temple. Children should stay with us to learn the intricacies of social process. Food is like Prasad. Mental & physical joys are short lived. The joy that emanates from heart is the ultimate Anand.

Following are a few suggestions to revive joint family & bring joy out of family life.

1. Use mother tongue at home.
2. Couple should consult to reduce influence of materialistice life on family.
3. Arati should be performed daily. Kirtan or Bhajan once a week.
4. Celebration of birthday in Bharatiya manner.
5. Be open with children through frequent discussion.
6. Tulsi should be planted in home in place of Moneyplant.
7. Involve children in seva works.
8. Reading good literatures/books together.
9. One a day family to eat together.
10. The four citadals of Sanskar-Home, School, Society & Mandir can be merged to sewwt home.
11. What to see & not to see in TV/Mobile can be jointly discussed & thrashed out.
12. Keep Indian breed Cow in every home.
13. Home needs a Gruhini not earning hand.
14. Old age home concept is not Bharatiyata. We should try to avoid it. Old people are out wealth because of their vast experience. Taking their care is our Dharma.

It will take a lot of time to go back to the joint family concept which is unique of our Sanskar/Culture. Let us try sincerely.

-S.N. Panda, National Vice President,East

भावनात्मक स्वास्थ्य

मन और तन का अभिन्न संबंध है। भावनाओं और सोच से ही जीवन के सुख दुख का निर्माण होता है। हमारा मन हार-जीत, आज़ादी-गुलामी, सच-झूठ, सुख-दुख, ज्ञान-अज्ञान, सफलता-असफलता आदि से प्रभावित होता है। सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य होना आवश्यक है। आर्थिक और सामाजिक स्वास्थ्य के अनेक बाह्य कारण हो सकते हैं परन्तु भावनात्मक स्वास्थ्य हमारी आंतरिक सोच से नियंत्रित होता है। आइये इस पर विचार करें।

- **सकारात्मक विचार** - नकरात्मक विचारों से बचें जैसे भय, निराशा, क्रोध, द्वेष, अहंकार, ईर्ष्या, जलन, आत्म ग्लानि, हीन भावना से बचें। सकरात्मक विचार, आशा, प्रेम दया, दूसरों का हित, प्रेरणा आदि जीवन के अंग बनावें।
- **व्यस्त रहें** - खाली समय में बुरे, दूषित तथा निराशा जनक विचार आते हैं। व्यस्त रहने से मन में काम की प्रेरणा, सद्विचार पर उत्साह का संचार होता है। ऐसे मित्रों का सत्संग करे जो व्यस्त और मस्त रहते हैं।
- **एकान्त में खुश रहें** - आत्म चिन्तन करें और जीवन में ईश्वर से जो मिलता है उसका धन्यवाद करें।
- **स्वस्थ रहें** - स्वास्थ्य जितना शरीर के लिए आवश्यक है उतना ही मन की भावनाओं के लिए अनिवार्य है। संतुलित भोजन, शाकाहार, फलाहार, पाचक भोजन लें। भोजन में मौसम, समय तथा पथ्य का ध्यान रखें। दुर्व्यसनों से बचें।
- **मनोरंजन शौक के लिए समय दें** - हल्के व्यायाम, प्रेरक कहानियाँ, टहलना अथवा खेल के लिए समय निकालें।
- **जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें** - जीवन का दूरगामी लक्ष्य पूरा करना हमारी व्यस्तता का कारण होता है। परन्तु समयानुकूल तात्कालिक लक्ष्य भी निश्चित करना उपयोगी होता है।
- **समस्याओं और विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार रहें** - जीवन में हर समय सब ठीक ही रहेगा, ऐसा नहीं होता। कठिनाईयों का हंस कर सामना करें। दृढ़ निश्चय से समस्या का समाधान होता है। काल्पनिक समस्याओं से बचें।
- **आलोचना के लिए तैयार रहें** - अनेक लोगों में छिंदान्वेषण की वृत्ति होती है। ऐसे लोगों तथा आलोचनाओं से बचें। अपनी गल्तियों को स्वीकार करना सीखें।
- **क्षमता के अनुसार लक्ष्य बनावें** - आगे बढ़ने के लिए साहसी होना आवश्यक है, पर अव्यवहारिक सीमा तक लक्ष्य न बनावें।
- **अकेले सभी काम करने का प्रयास न करें** - अनेक कार्यों के लिए मित्रों, संबंधियों तथा पड़ोसियों का सहयोग लेने से न हिचकें।
- **योग, ध्यान, पूजन आदि का अभ्यास बनाएं रखें** - ये हमारे जीवन में आध्यात्मिकता लाते हैं।

-**डॉ. सोनल, अग्रवाल** -मेरठ, निरामय जीवन से साभार

रक्तदान - महाअभियान

भारत विकास परिषद् के केन्द्रीय नेतृत्व ने इस वर्ष रक्तदान की महत्ता के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र व्यापी महाअभियान चलाने का निर्णय किया है। यह कार्यक्रम परिषद् स्थापना दिवस 9-10 जुलाई 2017 को रक्तदान शिविर से प्रारम्भ हो कर वर्ष भर चलाया जाएगा। परिषद् के द्वारा देशभर में 1 लाख यूनिट रक्तदान तथा 5 लाख स्वैच्छिक रक्तदाताओं का डाटा बैंक बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से रक्त बैंको को रक्तदान शिविरों में सामन्जस्य का निवेदन किया गया है। सरकारी रक्त बैंक, रेड क्रॉस, मेडिकल कॉलेजों तथा प्राइवेट बैंकों से रक्तदान किया जाएगा। सभी शाखाओं द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों, वोकेशनल व्यवसायिक कॉलेजों, व्यपारिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्थाओं से सम्पर्क कर रक्तदान जागरूकता एवं रक्तदान की अपील की जाएगी। प्रत्येक शाखा से न्यूनतम 50 संस्थाओं से सम्पर्क करने की अपेक्षा है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, स्टिकर, होर्डिंग इत्यादि से प्रचार की अपेक्षा है। देश के प्रमुख विचारकों, संतों, राजनेताओं के अपील की एक डॉक्यूमेंटरी तैयार की जा रही है। सभी शाखाएँ प्रतिमाह रक्तदाताओं की उपलब्धता के साथ शिविर का आयोजन करें। इस हेतु जिलाधिकारी, चिकित्साधिकारी तथा रेडक्रॉस से सम्पर्क करना होगा। रक्तदाताओं के डाटा बैंक का प्ररूप यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। इस आह्वान को फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर, व्हट्सप्प पर लगातार शेयर किया जाए। रक्तदाताओं के पंजीकरण फर्म को 'नीति' मेल (niti@bvpindia.com) पर निवेदन कर प्राप्त किया जा सकता है। - **नीति डेस्क**

आओ कुछ हंस लें-

1. **नेता जी** - चिल्ला-चिल्ला कर कह रहे थे- हर आदमी को हर चीज मिली चाहिए। जो चीज तुम्हें अच्छी लगे ले लो, यदि तुम्हे भूख लगे तो खाने की दूकान लूट हो, यदि ठंड लगे तो दुकान का सबसे अच्छा सिला कोट उठा लो...

   भाषण देने के बाद नेता जी मंच से नीचे उतरे और चिल्लाए - अरे मेरी साइकिल कौन उठा ले गया।

2. **टीचर** - पप्पू तुम स्कूल लेट क्यो आये

   पप्पू - मैं कल सपने में कनाडा गया था

   टीचर - और पिंकी तुम

   पिंकी - सर! मैं पप्पू को एयरपोर्ट छोड़ने गई थी।

3. **भिखारी** - भगवान के नाम पे कुछ दे दो बाबा।

   लड़की - मैं बाबा नहीं बेटी हूँ। **भिखारी** - भगवान के नाम पे कुछ दे दे बेटी।

   लड़की - अरे मेरा नाम पूजा है। **भिखारी** - भगवान के नाम पे कुछ दे दे पूजा बेटी।

   लड़की - मेरा नाम है पूजा शर्मा। **भिखारी** - भगवान के नाम परे कुछ दे दे बेटी पूजा शर्मा।

   लड़की - घर में मुझे प्यार से राजकुमारी कहते हैं। **भिखारी** - भगवान के नाम पे कुछ दे दे बेटी राजकुमारी पूजा शर्मा।

   लड़की - हम्म ये हुई न बात, माफ़ करो बाबा घर पे कोई नही है। **भिखारी** - बेहोश

4. **जेठालाल** सोने जा रहा था तभी

   दया - अरे जरा मेरा मोबाइल चार्जिंग पर लगा दो ना।

   जेठालाल - अरे रात में चार्जिंग पे मत लगाओ, मोबाइल ब्लास्ट भी हो सकता है।।

   दया - अरे आप टेंशन मत लो, मैंने मोबाइल की बैटरी पहले ही निकाल ली है।

5. **पति** - आज दाल में बड़ी अजीब गंध आ रही है।

   पत्नी - धनीया, पुदीना, काली मिर्च डाल के बनाई है।

   पति - (दाल खा के) थू थू, धनीय पुदीना, काली मिर्च कहाँ से ले आई थी।

   पत्नी - अरे मुझे बाजार जाने का समय ही नहीं मिला इसलिए मैंने..... ''पतंजलि टूथपेस्ट'' मिला दिया उसमें सारे गुण हैं।

6. **एक पागल दूसरे पागल से** - पता है मैं कुछ दिनों बाद पागलखाने से जाने वाला हूँ।

   दूसरा पागल - वो कैसे?

   पहला पागल - अरे बेवकूफ मैं साठ का हो गया हूँ, क्या रिटायर नहीं होऊँगा?

7. **कुछ भी कर फेसबुक पर डाल** -

   पति - तुम सब्जी बनाना भूल गई हो क्या?

   पत्नी - क्यों।

   पति - थू थू कितनी गन्दी सब्जी बनाई है।।

   पत्नी - चुपचाप खा लो, मेरी इसी सब्जी को फेसबुक पर 389 लोगों ने लाइक किया है।

8. **दो लड़कियाँ बहुत दिनों बाद लन्दन में एक दूसरे से मिली।**

   पिंकी - बहन तुम्हारे पति क्या करते हैं? **चिंकी** - मेरे पति रोज सैकड़ो लोगों को खाना खिलाते हैं।

   पिंकी - वाह, ऐसे धर्मात्मा आजकल कहाँ मिलते हैं।

   चिंकी - उसे अपने पति का फोटो दिखा के बोली- नहीं बहन वो होटल में वेटर हैं।

रेजगारी (लघु कथा)

रात को अपने बच्चों के साथ बैठा मैं गडबड़ों का पूजन कर रहा था। बाहर से ण्क सम्मिलित आवाज आई। अंकल जी गड़बडे। मैंने नजरे ऊँची की, देखा कि तीन चार गरीब बच्चे हाथ में गड़बड़े लटकाए गेट में बने छोटे से झरोखों से अन्दर झांक रहे थे।

पूजन चल रहा है भाई! भागो बाद में आना। वहाँ बैठे बैठे ही मैंने अपना हुक्म उन्हें सुनाया। वे वापस मुड़ गये। अभी कुछ मिनट ही गुजरे होंगे, उन बच्चों की चौकड़ी फिर से गेट पर आधमकी! अंकल गड़बड़े। सुना नहीं तुमने! मैंने बड़ी आवाज में डांटा। कहा था न बाद में आनां वे पुनः वापस भाग गये। मैंने मेज पर रखा अखबार उठा लिया एक दो खबरे पढ़ी थी कि फिर दरवाजे की घंटी बजी। ये गरीब घरों की वाहियात रेजगारी। मेरा पारा चढ़ने ही वाला था कि झरोखे पार अपने सहकर्मी गुप्ता जी को देखा। गेट खोला गर्मजोशी से हाथ मिलया। ड्राइंग रूम ले आया। काम वाली लड़की चाय रख गई। अभी चाय की चुस्की ली ही थी कि वहीं आवाज कान में टकराई! अंकल जी गड़बड़े दे दो।

हाथो से इशरा करते हुए ऊँची आवाज में मैंने कहा भागो यहाँ से कितनी बार कहूँ, थोड़ी देर में आना। मेरी लताड़ सुनकर टोली खिसक ली। परन्तु उनमें सबसे पीछे वाले छोटे लड़के ने अपने होठों के पास हथेली का गोला बनाकर आवाज लगाई। अबे भुक्कड़ ऐसी क्या तूने हजार रुपये देने हैं ले ये सिक्का रख। अपने बच्चों को टॉफी दिला देना। ये कहकर उस छोटू ने अपनी मुठ्ठी में पकड़ा सिक्का मेरी तरफ उछाल दिया। सिक्के की खनक सुनकर मेरे कुर्त्ते की निचली जेब में बड़ी रेजगारी का मुँह बुरी तरह से लटक गया, बिल्कुल ऐसे जैसे उसकी बेइज्जती हो गई हो। – **कुणाल शर्मा**, अम्बाला।

अवध प्रान्त का रजत जयन्ती समारोह

परिषद् की विकास यात्रा में अनेक प्रान्तों की विकास यात्रा के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश का अवध प्रान्त अपने 25वें वर्ष में रजत जयन्ती समारोह और होली मिलन कार्यक्रम लखनऊ के सत्कार लॉन में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ओम प्रकाश कानूनगो, राष्ट्रीय वित्त मंत्री मुम्बई से पधारें उन्होंने प्रान्त की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जाहिर की। स्थायी प्रकल्प विकलांग पुनर्वास केन्द्र के साथ प्रान्त द्वारा पी.जी.आई के निकट एक बड़े चिकित्सा सहायता केन्द्र के ट्रस्ट की आधारशिला भी रखी गई। समारोह विकास रत्न और विकास मित्रों के सम्मान के साथ पूर्व अध्यक्षों का सत्कार किया गया। रजत जयन्ती स्मारिका 'अवध दिशा' का विमोचन सम्पादक सत्येन्द्र सिंह जी ने सम्पन्न कराया। समारोह चेयरमैन रविचन्द्रा के प्रयास से 25 वर्षों के पदाधिकारियों और क्रिया कलापों की स्मृतियाँ संजोई गई। प्रेम चन्द्र गुप्ता, डॉ. सतीश चन्द्र राय, डॉ. हरिशचन्द्र गुप्ता, डॉ. गिरीश गुप्ता, तीर्थराज मणि त्रिपाठी, कृष्ण मोहन मेहरोत्रा, पुन्नूलाल मिश्र, वीरेन्द्र सिंह कटियार, उपदेश नारायण श्रीवास्तव, हृदयेश बाजपेयी, विपिन विहारी निगम, सुनीता रस्तोगी, डॉ. बी.एन. सिंह के अध्यक्षीय कार्यकाल को स्मरण किया गया। संयोजक श्री प्रकाश ने सदस्य परिवारों की आकर्षक भारतीय वेशभूषा प्रतियोगिता सम्पन्न कराई। अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने अमित अग्रवाल, मालिक सत्कार लॉन एवं श्री अतुल सिंह, पी.एन. बी. की अधिकारी एसोशियेशन के अध्यक्ष का सम्मान किया। समारोह में सदस्यता वृद्धि विशेष प्रकल्प, नवीन शाखा हेतु लखीमपुर, बहराइच, सीतापुर शाखाओं को सम्मानित किया गया। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिव शरण अस्थाना ने आयोजको को आशीर्वाद दिया।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण प्रकल्प

हमारा देश भारत धर्म, जाति सम्प्रदाय वर्ग के बंधनों से मुक्त होकर तीव्र आर्थिक विकास के साथ विश्व का नेतृत्व करने जा रहे है। इस बदलते परिवेश में परिषद् के क्रिया कलापों में विस्तार करने की आवश्यकता है। इस परिप्रेक्ष्य में गरीब एवं असहाय लोगों को कपड़े, दवाई तथा उपयोगी वस्तुओं का वितरण करना एक उपयोगी कार्य है। निर्धन परिवारों के सरल विवाह तथा दिव्यांगजनों का विवाह तथा सभी पंथों के मध्य सामन्जस्य के लिए सम्पर्क एवं सद्भाव का निर्माण करने का प्रयत्न भी आवश्यक है। महिला हिंसा, तलाक, दहेज के क्षेत्र में परिषद् के प्रयास उपयोगी हो सकते है। जल प्रदूषण रोकने के लिए गंगा स्वच्छता अभियान में तेजी लाना तथा विमुद्रीकरण के सरकारी प्रयासों को प्रचारित करना भी आवश्यक है। आय कर विवरणी का सहयोग तथा वरिष्ठ नागरिों के सहयोग एवं काउन्सिल भी महत्वपूर्ण काम है। पय्रावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण तथा पोलिथिन मुक्त भारत के लिए कपड़े के थैलों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। – **के.के.पाठक**, प्रान्तीय उपाध्यक्ष, ब्रह्मावर्त

नेत्र रोगों से सावधान रहें

आँखें प्रकृति की एक अनुपम देन है और शरीर का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण भाग है। यदि आँखें बंद कर देखें तो सारा जगत अंधकारमय लगेगा। दुनिया में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने नेत्रहीनता को अपने जिन्दगी में कभी मजबूरी नहीं बनने दी। दरअसल आँखों के रोग आसानी से हमारी समझ में भी नहीं आते हैं। आँखों में दर्द कई प्रकार के होते हैं। तीव्र दर्द आँखों की मांसपेशियों में ऐंठन के कारण होता है। धूलकण भी चले जाएं तो चुभन होने लगती है। धुएं की वजह से भी आँखों में जलन होती है।

आखें लाल हो जानो भले ही हमें साधारण बात लगती है किन्तु कभी-कभी यह गम्भीर समस्या के रूप में भी सामने आ जाती है। आँखों की त्वचा यानि काजक्टिवा की रक्त नलिकाओं में सूजन आने के कारण या इरीटेशन के कारण वे फैल जाती है। इस कारण आँखें लाल दिखाई पड़ती है। आँखों का लाल होना बैक्टीरिया संक्रमण, वायरल इंफेक्शन, सर्दी जुकाम, फंगल इंफेक्शन अथवा एलर्जी के कारण भी होता है। सिगरेट का धुआँ, वाहनों से निकलने वाला धुआँ, नींद पूरी न होना, रोना, ठण्डा मौसम, प्रदूषित वायु आदि कारणों से भी आँख लाल हो जाती है। लम्बे समय तक लगातार टी.वी.देखना अथवा कम्प्यूटर पर काम करने से भी आँखों में दर्द होता है। लम्बे समय तक कॉन्टैक्ट लेंस पहनने, हवाई यात्रा करने या एयर कंडीशन कक्ष में लम्बे समय तक बैठने से भी आँखों में चुभन या खरोंच जैसा दर्द उठता है। चालीस वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को दो वर्ष में एक बार आँखें चेक करवानी चाहिए जबकि 40 पार कर चुके व्यक्तियों को हर साल आँखों को चेक कराना चाहिए। ग्लूकोमा व मोतियाबिन्द की कई बीमारियों में रात्रि के दौरान स्पष्ट दिखाई नहीं पड़ता है। मोतियाबिन्द की समस्या का ऑपरेशन द्वारा निदान संभव है।

धुंधला दिखाई देना - अत्याधिक आँसू बहाने से भी आँखों में धुंधलापन बढ़ता है। आँखों में कीचड़ आना अथवा आँखों में धूल-मिट्टी के कण पड़ जाने से थोड़ी देर के लिए आँखों में धुंधलापन आ जाता है। यदि धुंधलापन ज्यादा देर तक बना रहे तो नेत्रतज्ञ से सलाह लेना जरूरी हो जाती है।

कम रोशनी में लिखना-पढ़ना भी घातक - आँखों की देखभाल संबंधित नियमानुसार पर्याप्त रोशनी बिना लिखना पढ़ना अथवा अन्य कार्य करना उचित नहीं है।

आई ड्राप्स का प्रयोग कहाँ तक सुरक्षित - कुछ लोगों को बारह महीने दिन में कई बार आँखों में आई ड्राप्स डालने की आदत पड़ जाती है। आई ड्राप्स दो प्रकार के होते हैं - एंस्ट्रिनजेंट ड्राप्स और लुब्रिकेंट ड्राप्स। एंस्ट्रिनजेंट ड्राप्स का प्रयोग आँखों में लाली होने पर प्रयोग किया जाता है। यह ड्राप्स रक्तवाहिनियों को सिकोड़ देता है, जिसमें आँखों की लाली दूर हो जाती है। लुब्रिकेंट ड्राप्स का प्रयोग कभी भी किया जा सकता है। शुष्क आँखों को चिकना व नम बनाने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।

सौन्दर्य प्रसाधन से आँखों को नुकसान पहुँचा सकते हैं - आज एक से एक साबुन, शैम्पु, डाय, हेयर ऑयल प्रयोग में लाये जा रहे हैं। कभी-कभी हमारी अपनी लापरवाहियों से इनके कुछ अंश आँखों में चले जाते हैं। मस्करा, आई लाइनर, फेस पाउडर इत्यादि सौन्दर्य व प्रसाधन आँखों में चले जाने से जलन पैदा करते हैं। आई लाइनर कभी भी पलकों के नीचे नहीं लगाना चाहिए।

चश्मे लगाने में सावधानी जरूरी - दृष्टि कमजोरी आनुवांशिक भी हो सकती है। किसी को नजदीक का तो किसी को दूर का स्पष्ट नजर नहीं आता। किसी को पढ़ने के समय चश्मे की जरूरत पड़ती है। अच्छा होगा कि नेत्रतज्ञ की सलाह से ही ऑप्टीशियन का चयन करें और चश्मा खरीदें। चश्मा लगाकर दस मिनट तक लगातार पढ़ने के बाद भी यदि आँखों को दर्द महसूस न हो तो समझना चाहिए चश्मा ठीक है। चश्मे की उचित देखरेख भी जरूरी है, साफ कपड़े से ही चश्मे के लेंस की सफाई करनी चाहिए।

आँखों की कुछ बीमारियों की अनदेखी नहीं करें - आँखों से पानी आना, कीचड़ आना, जन्मजात सफेद मोतियाबिन्द और एम्बलाइओपिया जैसे रोग बच्चों की आँखों में पाए जाते हैं। बच्चों को खेलने या बहलाने के लिए नोकदार खिलौने कभी न दें। वयस्कों में सफेद मोतिया (केटेरेक्ट) काला मोतिया (ग्लोकोमा) आँख दुखना (कंजक्टिवाइटिस) और आईराईटिस जैसे नेत्र रोग पाये जाते हैं। आँखों में ट्यूमर, परदे में खराबी तथा आक्युलर पाल्सी जैसे असामान्य रोग भी अनदेखे नहीं किये जाने चाहिए।

सावधानियाँ :-

1. आँखों को साफ सुथरा रखें। **2.** दिन में दो-तीन बार स्वच्छ एवं शीतल जल से आँखों को अवश्य धोयें। **3.** साफ कपड़े से ही आँखें पोंछिये। **4.** आँखों को सौन्दर्य प्रसाधनों से बचाए रखें। **5.** आई ड्राप्स को सावधानी पूर्वक प्रयोग में लाएं।

कलर ब्लाइन्डनेस यादि रंग दृष्टिविहीनता दृष्टिदोष है। यह बीमारी जन्मजात होती है। इसका फिलहाल कोई इलाज संभव नहीं है।

- **राजेन्द्र राज मिश्र**, नागपुर

पंजाब पश्चिम, हाजीपुर : शाखा के वार्षिक समारोह में प्रकल्प प्रभारी अंशू वर्मा ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, संतोष कुमार चौहान विकास रत्न उपस्थित रहे। समारोह में कवियित्री तृप्ता कौशल, प्रिंसिपल संतोष कुमारी, स्वरूप सिंह, अनिल वशिष्ठ, चौधरी विनोद, पूर्व प्रधान रघुवीर सिंह चौहान उपस्थित रहे।

मुकेरियाँ : जल के प्रयोग पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। गाँव की चौपाल पर स्कूल, कॉलेज, धार्मिक तथा सामाजिक संगठनों के द्वारा गोष्ठी आयोजित की गई। ग्राम छेड़वाल के राजकीय सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल में प्रिंसिपल जोगिन्दर सिंह की अध्यक्षता में जन समूह को बताया गया कि भूमिगत जल का स्तर तेजी से गिर रहा है। यह हमारे लिए खतरे की घंटी है। इस अवसर पर लातूर का उदाहरण देते हुए कहा कि लोगों ने घरों पर ताले लगान छोड़कर पानी की टंकी पर ताले लगाने शुरू कर दिये। हमें बूंद बूंद पानी बचाने का अभियान चलाना होगा।

कमी

एक मूर्तिकार इतनी सुन्दर मूर्ति बनाता था कि जो कोई भी देखता कलाकार की प्रशंसा किये बिना नहीं रहता। उसे अपने जीवन के अंतिम क्षणों की अनुभूति होने लगी। उस मूर्तिकार ने पन्द्रह मूर्तियाँ बनाई। सभी को एक समान पोशाकें पहनाई। स्वयं ने भी वैसी ही पोशाक पहनी। चार चार मूर्तियों की कतारे बनाकर अंत में स्वयं खड़ा हो गया। आयु समाप्ति पर यमदूत उसे लेने आया। सोलह मूर्तियाँ एक सी देखकर वह असमंजस में पड़ गया। उसे समझ नहीं आ रहा था कि इन मूर्तियों में से जीवित कलाकर कौन है। अन्त में उसने एक चाल चली। बोला भाई वाह! मूर्तियाँ तो हू बहू बनाई है। यदि इनमें एक कमी नहीं रहती तो इन सबको मैं स्वर्ग ले जाता। यह सुनते ही मूर्तिकार बोल उठा कौन सी कमी है। यमदूत ने उसका हाथ पकड़ लिया और कहा - बस यही कमी है। तू अपनी आलोचना नहीं सह सकता। -**शुभ तारिका**।

टैगोर लुधियाना : शाखा द्वारा सारो गाँव के राजीय स्कूल में विद्यार्थियों को गर्म कपड़े, गणवेश बांटे गये। रविदास जयन्ती पर पर्यावरण सरंक्षण के लिए 450 कपड़ों के थैले बनवाए गये। निर्धन वस्ती में गर्म कपड़े बांटे गये। 102 मेधावी छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। निर्धन छात्राओं को स्वावलम्बी बनाने तथा पढ़ाई पूरी करने के लिए आर्थिक सहायता में श्री सूरज मोहन, सरदार जगमोहन सिंह तथा जे.सी. कपूर का बड़ा योगदान रहता है। - सचिव अनीता कुमारी।

हरियाणा पश्चिम : भारतीय नव वर्ष समारोह प्रान्त की 30 शाखाओं द्वारा किया गया। शाखाओं द्वारा यज्ञ, हवन, पूजन तथा शुभकामना दी गई। उकलाना शाखा ने गीतांजलि कार्यक्रम सम्पन्न किया। टोहाना शाखा ने 3 निर्धन तथा विधवा महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट की। विकलांग को ट्राइसाइकिल दी गई। फतेहाबाद में थायराइड जांच शिविर लगाया गया। सिरसा में हनुमान चालीसा तथा भंजन संध्या हुई। चरखी दादरी में परिवार मिलन, जीन्द में 50 बैनर लगाकर शुभकामना दी गई। प्रान्त की प्रेरणा व मार्गदर्शन पर नववर्ष कार्यक्रम के आयोजन को एक त्यौहार का रूप देने का प्रयास किया गया।

युवा वैज्ञानिकों के लिए संदेश

वैदिक साहित्य में ज्ञान का अपार भण्डार है। हमारे ऋषियों, मुनियों ने अपने ज्ञान और अनुभव के आधार पर ऋचाओं की रचना की थी। इनका सामान्य अर्थ सतही था। परन्तु गूढार्थ सही वैज्ञानिक अर्थ को प्रदर्शित करता था। यदि आज वैदिक ज्ञान का कोई प्रमाण प्रस्तुत किया जाता है तो उस पर विश्वास नहीं किया जाता। एक उदाहरण न्यूटन से बहुत पहले भास्कराचार्य ने अपनी पुस्तक सूर्य सिद्धान्त में पृथ्वी के गुरूत्वाकर्षण बल, ग्रहों की गति, उनके व्यास परिभ्रमण काल आदि का विस्तृत वर्णन किया है, आधुनिक वैज्ञानिक खोजों के अनुरूप है। किन्तु आज तक विज्ञान की पुस्तकों में यह नहीं बताया जाता कि न्यूटन से 1200 साल पहले भास्कराचार्य ने गुरुत्वाकर्षण बल की खोज की थी।

उकलाना : भारत विकास परिषद् उकलाना शाखा द्वारा नव संवत के उपलक्ष्य में पंचांग कैलेण्डर का विमोचन हरियाणा राज्य वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के चेयरमैन श्रीनिवास गोयल द्वारा कराया गया। इस अवसर पर विनोद गोयल, महेंन्द्र दहमातिया, अशोक गर्ग आदि उपस्थित रहे।

डबवाली : शाखा द्वारा नई टीम के चयन के बाद भजन मेहता के निर्देशन में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। आकाश, छबि, हैजल, तेजल, गजल, झलक, पलक, श्वैन, स्निग्धा, नन्हा वर्मा ने भजन गीत, गजल प्रस्तुत किये। पवन वर्मा ने आज गालो-मुस्करा लो, दीपक ने मेरे वतन के लोगों, यशपाल

व वेद भारती ने चुटकुले सुनाए। इकबाल, अमन, जयदीप बराड़ ने भांगड़ा से धमाल मचाया। सुनीता जग्गा ने बेटी बचाओ पर जोत से जोत जलाते चलो। परिवार सदस्यों ने चन्दन का तिलक और फूलों से होली खेली। सरकारी अस्पताल में मरीजों को सुबह चाय, नश्ता, रात्रि में भोजन की व्यवस्था की गई। सेवा में लगे चन्द्रभान, गुरदित्त टुटेजा, गुरजीत सिंह, अर्जुन दास, जीवन गर्ग की लोगों ने तारीफ की। नव संवत्सर कार्यक्रम पर अन्पूर्णा मंदिर में सुख शान्ति के लिए हवन किया गया। कन्या पूजन सम्पन्न हुआ। महिला प्रमुख सुनीता जग्गा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने भाग लिया। परिवार होली मिलन समारोह पंचवटी रिसोर्ट में सतपाल जग्गा, प्रान्तीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। आगाती दो वर्षों के लिए चुने गये नए पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कर पदभार सौंपा गया। इसमें गुरुदित दुरेजा, अध्यक्ष, अंकुर चोपड़ा, सचिव, वीरेन्द्र सेठी, कोषाध्यक्ष व सुनीता जग्गा, महिला प्रमुख ने यापथ ग्रहण की। निवर्तमान अध्यक्ष कालू राम मेहता ने पिछले वर्ष का आय-व्यय ब्यौरा तथा सभी सामाजिक कार्यों व स्थायी प्रकल्पों का वृत्त प्रस्तुत किया।

मण्डी आदमपुर : शाखा द्वारा हिन्दू नववर्ष 2074 के उपलक्ष में हवन किया गया। साथ ही निर्धन बच्चों के लिए संचालित विद्या भारती स्कूल का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रेम काजला, गुलशन खेतरपाल, अरविन्द गोयल, शिव कुमार सिंगला आदि सदस्य मौजूद थे।

माँ

एक दिन दो मित्र काफी अरसे बाद एक दूसरे से मिले। एक मित्र ने दूसरे मित्र से पुछा माँ कैसी है। कुछ पल चुप रहने के बाद दूसरा मित्र बोला! अच्छी है। दो वर्ष से वृद्धाश्रम में है। आज उसका जन्म दिन है, मिलकर आ रहा हूँ। फिर उसने पहले मित्र से पूछा तुम्हारी माँ तो तुम्हारे साथ ही रहती है। तब उसने दिल को छू लेने वाली बात कही! उसने कहा अभी इतना बड़ा नहीं हुआ कि अपनी माँ को रख सकूँ, मैं ही माँ के पास रहता हूँ जन्म से। - **भीमसेन गोयल**, मुम्बई

हरियाणा दक्षिण, गोविन्द सोनीपत : साक्षारता प्रवेश अभियान के अन्तर्गत शाखा द्वारा आओ बच्चों स्कूल चले जागरूकता अभियान चलाया गया। अध्यक्ष शालू त्यागी के निर्देशन में स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची तैयार की गई। इसके कारण शिक्षा के प्रति उपेक्षा, धन का अभाव, बेरोजगारी है। अन्य प्रदेशों से आने वाली परिवारों के पास आवश्यक कागजात जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, पहचान पत्र न होने से स्कूल में प्रवेश नहीं मिलती है। शाखा द्वारा इस कार्यक्रम में सहयोग कर जिला प्रशासन तथा शिक्षा विभाग से मिलकर समाधान किया जाएगां अभी तक 48 बच्चों की पहचान की गई है। इन्हें परिषद् के द्वारा सहायता दी जाएगी।

हरियाणा उत्तर, कर्ण करनाल : शाखा द्वारा करनाल क्लब में पारिवारिक बैठक का आयोजन किया गया। गेम्स, फैशन शो आदि के पश्चात् दर्शन मदान, अध्यक्ष ने शाखा प्रगति पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा उत्तर प्रान्त की 40 शाखाओं में प्रान्त को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। सचिव, कोषाध्यक्ष व महिला संयोजिका के कार्य की प्रशंसा की। सदस्यों ने मुगल कैलान पर दिए जलाकर लड्डू बांट कर हिन्दू नववर्ष चैत्र प्रतिपदा विक्रम सम्वत 2074 मनाया। दीपक गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने युवओ को पाश्चात्य अंधानुकरण के स्थान पर भारतीय रीति व परम्परा को अपनाने का संदेश दिया। संजय बिदानी, सचिव ने विक्रम नव संवत के बारे में बताया। इस अवसर पर राजेश नागपाल, कमल गुप्ता, अध्यक्ष, दर्शन मदान, मोहन ग्रोवर, पूनम गर्ग, ललिता मदान आदि उपस्थित थे।

गंगा स्नान

अरे भाई, तू दो सीट घेर कर क्यों बैठा है। बराबर में रखी पोटली को नीचे रख दे। मुसाफिर ने सहयात्री को समझाया।

नहीं भाई! दोनों सीट मेरी है। आदमी तो तू एक है और सीटे दो कैसे हुई।

मैंने दो टिकट लिये हैं।, दो टिकट लेने से क्या होगा, क्या तू पागल है। नहीं भैय्या! मैं पागल नहीं हूँ एक सीट मेरी है, दूसरी पर मेरी माँ बैठी है। इसी लाल पोटली में है।, जीते जी तो उसकी गंगा स्नान की इच्छा मैं अभागा पूरी न करवा सका। अब इसे हरिद्वार ले जा रहा हूँ। कहते-कहते सहयात्री के आँखों से अश्रधारा बहने लगी।

मुसाफिर, विस्मित सा सहयात्री को और उस लाल पोटली को देखे जा रहा था। पूरी बस में निस्तब्धता छाई हुई थी।

- **डॉ. प्रदीप शर्मा** -स्नेही' सिरसा।

बरसत : शाखा द्वारा चौथी बार निर्धन व जरूरतमंद लड़कियों का 'सरल सामूहिक विवाह' कराया गया। पाँच युगलों के सामूहिक विवाह में उनकी आवश्यकताओं का सामान दिया गया। मुख्य अतिथि सतीश गोयल और के.के.खुराना, प्रान्तीय महासचिव कार्यक्रम अध्यक्ष रहे।

कैथल : शाखा द्वारा होली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सभी सदस्यों ने गुलाल लगाकर शुभकामनाएँ दी। होली के गीत व अन्ताक्षरी का पारिवारिक माहौल में आनन्द उठाया गया। कार्यक्रम संयोजक बालकृष्ण मक्कड़ व रमेश अग्रवाल रहे। लगभग 120 सदस्यों व बच्चों ने पारंपरिक पारिवारिक उत्सव का आनन्द लिया।

दयानन्द-अम्बाला सिटी : शाखा द्वारा बहुतकनीकी संस्थान में नववर्ष आयोजन करके रूज्ञ का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल पी.के.सोनी ने शिक्षकों, विद्यार्थियों के साथ भाग लिया। 150 विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रो. एम.पी.गुप्ता ने नववर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। मुकेश एवट, राकेश जिन्दल, राजेन्द्र अग्रवाल ने यज्ञ में आहुति डाली।

गौरव की बात

प्रतिभा के धनी शंकराचार्य से उनके गुरु बहुत प्रभावित थे। जीवन निर्वाह के लिए आश्रम वाले प्रतिदिन भिक्षाटन के लिए जाते थे। आश्रम का नियम था कि एक छात्र को एक घर से भिक्षा लेना था।। एक दिन शंकराचार्य एक निर्धन वृद्धा के घर पहुँचे। उस औरत के पास कुछ केले थे। उसने वह शंकाराचार्य को दे दिये। शंकर भिक्षा लेकर आश्रम गये। आश्रम का नियम भंग कर शंकराचार्य एक सेठ के घर भिक्षा मांगने चले गये। सेठानी एक बड़ा टोकरा मिठाई लेकर शंकराचार्य को भिक्षा देने आई। माँ यह भिक्षा पड़ोस में रहने वाली वृद्धा को दे दो। सेठानी ने वैसा ही किया। माँ एक भिक्षा मुझे और दो. .. वह निर्धन वृद्धा जब तक जीवित रहे उसका भरण पोषण आप करें। प्रसन्न होकर शंकराचार्य आश्रम में लौट आये और नियम भंग होने का अपराध स्वीकार करने गुरु के पास गये। इस पर गुरु ने कहा तुम धन्य हो तुमने कोई नियम भंग नहीं किया है। बल्कि एक गरीब स्त्री को संबल प्रदान करके पुण्य किया है। तुम एक दिन निश्चय ही महान व्यक्ति बनोगें। गुरु की भविष्यवाणी सत्य सिद्ध हुई और शंकराचार्य महान बने।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश, सिकन्द्रबाद : शाखा द्वारा बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षिका कविता गोयल, अंजू नरेन्द्र, सुनिता सक्सेना ने बच्चों को त्योहारों की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। होली के अवसर पर प्रश्नोत्तरी की गई तथा फूलों से होली खेलने का निर्देश दिया गया। महिला योग शिविर में 25 महिलाएँ प्रतिदिन योग आसन तथा प्राणायाम करती हैं। नारी शक्ति का एक प्रकल्प के अन्तर्गत महिलाओं की समस्याओं पर परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें व्यंजन बनाना, मातृत्व, हस्त कला गीत, संगीत पर आयोजन किये जाते है। रीजनल प्रौढ़ साधना शिविर में शाखा से 15 सदस्यों ने भाग लिया जिसमें माधुरी गर्ग, सुनीता सक्सेना, कविता, अन्जू नरेन्द्र आदि ने भाग लिया।

साहिबाबाद विराट : शाखा द्वारा प्रान्तीय महिला सम्मेलन का आयोजन इन्द्रप्रस्थ इंजिनियरिंग कॉलेज में सम्पन्न हुआ। प्रान्तीय महिला संयोजिका ममता शर्मा ने महिला जागरूकता पर विचार रखे। हस्तशिल्प के आयोजन में नितिका अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र मिली। कन्नौज प्राथमिक विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 180 मरीजों की जांच की गई। इस शिविर में नरेन्द्र मोहन अस्पताल (मोहन नगर) के 11 डॉक्टरों की टीम ने परीक्षण किया तथा रक्त चाप, शुगर और तनाव की जांच की गई। प्रधानाचार्य माया सक्सेना, जे.पी.गर्ग, श्रीमती सरोज गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। वर्ष 2017-19 के दायित्वधारियों का चयन मनोज अवस्थी चुनाव अधिकारी के समक्ष सर्वसम्मति से श्री एम. पी.अरोड़ा, अध्यक्ष, दिनेश गुप्ता सचिव, हरीश गर्ग, कोषाध्यक्ष एवं अराधना शर्मा, महिला संयोजिका चुनी गई। तदुपरान्त पवन गौतम ने शाखा की रजत जयन्ती के उपलक्ष्य में आगामी समारोह व विशेष लोगो (प्रतीक चिन्ह) से सभा को अवगत कराया।

आयुर्वेद

मेथी के दाने तथा हरी सब्जी के रूप में मेथी का प्रयोग रसोई के लिए अब एक अनिवार्यता हो गई है। परन्तु साधारणत: मेथी का प्रयोग अचार रखने तथा कुछ विशेष सब्जियों में ही प्रयोग किया जाता है। नीचे मेथी के औषधीय गुणों तथा दैनिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक उपयोग के बारे में कुछ सूत्र दिये जा रहे हैं-

मेथी में प्रोटीन, विटामीन सी, नियासिन, पोटेशियम आदि गुण होते है। इसे अनाज के दानों की तरह अंकुरित करके भी नाश्ता तथा भोजन के साथ खाया जा सकता है। हरी मेथी का साग लवण, कैल्शियम, फोलिक एसिड से पौष्टिकता बनाए रखता है। मेथी रक्त को पतला करती है। वात, गठिया, अर्श भूख न लगना, जलन, कब्ज, डायविटीज पर प्रभावी है। रक्त में शुगर तथा केलेस्ट्रोल को नियंत्रित करती है।

कुछ विशेष उपयोग (1) सुबह खाली पेट एक चम्मच मेथी का चूर्ण गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज और घुटने का दर्द में राहत मिलती है। (2) टी.बी., अस्थमा में एक चम्मच अदरक का रस शहद तथा मेथी के उबले हुए पानी का प्रयोग करें। (3) मेथी के दाने भिंगोकर प्रात: काल मेथी का पानी डायविटीज के लिए लाभ करता है तथा उच्च रक्तचाप को रोकता है। (4) खाने से पहले एक चम्मच मेथी के दाने को पानी के साथ ले एसिडिटी नहीं होगी। (5) एक चम्मच मेथी के दाने एक कप पानी में उबालकर बचे हुए आधा कप पानी को पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है।

- **डॉ. हनुमान प्रसाद उत्तम**, कानपुर

वैशाली : शाखा द्वारा 11 मार्च को पारिवारिक होली

मिलन कार्यक्रम शिव मंदिर सेक्टर-2, वैशाली में मनाया गया। नई टीम (2017-19) राम कुमार गर्ग अध्यक्ष, वीना अवस्थी सचिव, पंकज त्यागी कोषाध्यक्ष के साथि सभी सदस्यों ने कविता पाठ, फाग नृत्य आदि का आनन्द लिया। संचालन डॉ. सपना बंसल का रहा। मुख्य अतिथि पंकज जिन्दल, प्रान्तीय मार्गदर्शक का गीत विशेष आकर्षक रहा। अनुपमा झा, सविता बजाज, निर्मला बुधिया, प्रार्थना जुयाल, चन्द्रकांता शर्मा आदि प्रमुख भूमिका में रहे।

पहले हम बिजित करें संस्कार
तभी है हमें मानव कहलाने का अधिकार
समझें हम मानव और अमानव में फर्क
प्राणिमात्र के लिए जीवन अपना अर्पण
प्रकृति के हर प्राणी की करके हम सेवा
हम सत्कर्मी का करके हर संभव सहयोग
पाँच स्तम्भों पर खड़ी परिषद् करती है आह्वान
पाएँ सबसे प्रेम और अपनत्व का मेवा
भगादें हम राष्ट्र से सभी अनैतिक रोग
जन्म करें सार्थक ले उद्देश्य महान्
प्रत्येक जागृत मानव से साधकर संपर्क
सद्गुणों के प्रति स्वयं का करके समर्पण करें।

-**उषा किरन सोनी**

हापुड़ मुख्य : हिन्दू नववर्ष का शुभारंभ हवन यज्ञ आदि द्वारा किया गया। नव निर्वाचित कार्यकारिणी बी.एम.शर्मा, अध्यक्ष, सुशील कुमार गर्ग, सचिव, संजीव कुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष, रजनी मित्तल, महिला संयोजिका ने शाखा सदस्यों के साथ नववर्ष पूजन किया। गुरुकुल के प्रधानाचार्य ने विधिवत पूजन हवन कराया व हिन्दू नववर्ष के महत्व की विस्तार से समझाया।

हस्तिनापुर, समृद्धि मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा सत्र समापन के अवसर पर निर्विरोध टीम का निर्वाचन हुआ। वंदना सिंघल ने परिवार के बच्चों को गेम खिलाए। पंकज, स्वीटी, गौरव, सीमा विजयी रहे। वर्ष में 64 कार्यक्रम सम्पन्न किये। प्रमुख कार्यों में शिशु मंदिर में कम्प्यूटर लैब की स्थापना। 40 आचार्यों को कम्प्यूटर का प्रशिक्षण कराया गया। मेडिकल कैम्पों में वरदान सेवा संस्थान, डॉ. विनोद, डॉ. प्रवेश और डॉ. शुभम ने मदद की। ''उड़ान उम्मीदों की'' चार कार्यक्रम हुए। विशेषज्ञ अनुराग सिंघल ने छात्रों के भविष्य, विशेषज्ञता की खोज कि लिए आकर्षक कार्यक्रम एक बड़ी उपलब्धि है। अधिष्ठापन पर छात्रों को शर्टस का वितरण और स्मारिका भी उपलब्ध कराई गई। नृत्य प्रस्तुति में मानसी वर्मा का प्रयत्न सराहनीय रहा। होलीकोत्सव व सत्र समापन ग्रांड प्लाजा मॉल में सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी ध र्मवीर मणिक ने सत्र 2017-19 के लिए निर्विरोध चुने गये अध्यक्ष के रूप में अजय गुप्ता, सचिव संजीव अग्रवाल व कोषाध्यक्ष के रूप में विवेक वर्मा की घोषणा की। मनोज सेठी, अध्यक्ष ने बताया कि गत वर्ष 43 कार्यक्रम करने का लक्ष्य रखा। किन्तु सदस्यों के सहयोग से कुल 64 कार्यक्रम किये गयें सेवा कार्यों तथा स्थायी प्रकल्पों पर विशेष ध्यान दिया गया। शैलेन्द्र तायल, मनोज गुप्ता, नवीन सिंघल, अरुण खंडेलवाल तथा मानसी वर्मा आदि का विशेष आभार भी व्यक्त किया।

विवेकानन्द मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा बेटी बचाओ पर पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता में जिलाधिकारी तथा प्रधानाचार्य निरूपमा शर्मा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। 260 छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में इन्दू मिश्रा, अचला, सीमा, अलका, साधना और निधि वर्मा ने सहयोग किया। महिला संयोजिका नीलम मित्तल ने शाखा की प्रस्तुति बसन्तोत्सव में किया गया जल संरक्षण पर जल बचाओ स्लोगन पोस्टर प्रतियोगिता में 310 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कु. सोनिया, काजल (प्रथम) सोनिया-काजल जैन (द्वितीय)को मुख्य अतिथि पंकज अग्रवाल ने पुरस्कार बांटे।

संत रविदास ने अपने व्यवहार से हमें यह संदेश दिया कि कोई भी काम और मनुष्य छोटे और बड़े नहीं होते हैं सब सामान होते हैं। हमें अपने श्रम को हल्का नहीं मानना चाहिए। समाज को इसकी आवश्यकता है इसलिए हम श्रम करते हैं, जहाँ श्रम का मान होता है वही देश विकास करता है। अंग्रेजी में सेवा को सर्विस कहा जाता है। सर्विस के साथ वेतन भी होता है, इसलिए अपने यहाँ इसे सेवा नहीं माना जाता है। जो व्यक्ति यह कहता है कि उसने बड़ी सेवा की है, इससे उसका अहंकार प्रकट होता है। समाज में जो लोग ऊपर हैं उन्हें थोड़ा झुककर कमजोर व्यक्ति की तरफ हाथ बढ़ाना चाहिए और जो व्यक्ति नीचे हैं, उन्हें ऊपर की ओर उठाना चाहिए तभी समाज सशक्त बनेगा।

- **डॉ. मोहन भागवत**, सरसंघचालक

अवध प्रदेश : अभिनन्दन 2017 में उत्तर मध्य रीजन के प्रान्त की समग्र गतिविधियों के आकलन के आधार पर सम्मानित किया गया। रीजनल स्तर पर श्रेष्ठ प्रान्त, लखनऊ को श्रेष्ठ शाखा, शतप्रतिशत सदस्यता वृद्धि विकलांग सहायता, शाखा द्वारा बेटी बचाओ, महिला दायित्वधारी, शाखा की अधिकतम उपस्थिति, वार्षिक आय व्यय, लेखा जोखा, सामूहिक सरल विवाह आदि के लिए सम्मानित किया गया। पवन अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष और राजेश मल्होत्रा को श्रेष्ठ प्रान्तीय दायित्वधारी का सम्मान मिला।

बहराइच : शाखा सदस्य अनुपमा जायसवाल को शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का दायित्व मिलने से शाखा सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ गई। सचिव अजय अग्रवाल जी के प्रतिष्ठान

पर विकास रत्न रमेश मित्तल, किसन मिलानी, प्रेम अग्रवाल, राकेश रस्तोगी, डॉ. राधा रस्तोगी आदि सदस्यों ने मंत्री का स्वागत किया।

अयोध्या : परिषद् की पूणे (महाराष्ट्र पश्चिम) शाखा के सौजन्य से अयोध्या नगरी के पावन धाम में गीता रामायण और संगीत संध्या का आयोजन हुआ। इस अवसर पर निकवर्टी शाखाओं अमेठी, सुल्तानपुर, मुसाफिरखाना के पदाधिकारी श्री मुकेश कुमार, अनिल बरनवाल, विनोद लोहिया, अरुण श्रीवास्तव, मनोज कौशल, गोपाल अग्रहरी उपस्थित रहे। प्रस्तुति के अवसर पर महंत नृत्य गोपाल दास तथा राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. आर. बी. श्रीवास्तव, सम्पादिका 'ज्ञान प्रभा' डॉ. चम्पा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

ग्रीन टी - एक औषधि

आजकल ग्रीन टी का प्रयोग और उसके फायदे चर्चा का विषय है। आइये! जरा समझने की कोशिश करें कि ग्रीन टी हमारे लिए कितनी उपयोगी है और क्यों? बताते चलें कि 4000 वर्ष से चीनी लोग ग्रीन टी को औषधि के रूप में प्रयोग करते रहे हैं। इसके प्रयोग से शरीर का वजन कम होता है तथा मोटाबोलिज्म रेट बढ़ाता है। फिर भी हमें कोई प्रयोग डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा प्रयोग करने से किसी भी चीज का विपरित प्रभाव पड़ता है।

ग्रीन टी में उपलब्ध Pholoplate 3D नामक पदार्थ औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। शरीर का वजन कम करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। Poluphenols और Polysachharides तत्व हमारे शुगर लेवल को नियंत्रित करते हैं। पाइरिया के रोगियों के लिए ग्रीन टी का उपयोग, मुँह की दुर्गन्ध को कम करता है। Catechis पदार्थ शारीरिक तनाव को नियंत्रित करता है। चेहरे के दाग, धब्बे, कील मुँहासे, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए यह उपयोगी है।

-**डॉ. अंजलि दत्त**, मेरठ

ब्रह्मावर्त, सहयोग फर्रूखाबाद : शाखा ने 'समृद्ध एवं सशक्त भारत विषय' पर नव वर्ष 2074 पर गोष्ठी के आयोजन किया जिसमें विचारक डॉ. ब्रह्मदत्त अवस्थी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सिम्मी अग्रवाल मंचासीन रहीं। संचालक डॉ. आर.के. गुप्ता ने भारतीय कालगणना (संवत्सर) को वैज्ञानिक पद्धति की श्रेष्ठ गणना बताया। पंचाग के पाँच अंग हैं तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण। फतेहगढ़ शाखा के अध्यक्ष, सरदार सूर्य प्रताप सिंह और डिग्री कॉलेज निनौआ के प्राचार्य ने नव वर्ष के द्वारा अपनी संस्कृति को मजबूत करने पर बल दिया। एडवोकेट रामजी बाजपेयी, डॉ. विनोद तिवारी ने समर्थ भारत के लिए राजनीति की शुद्धता और स्वच्छता पर बल दिया। अध्यक्ष डॉ. ब्रह्मदत्त अवस्थी ने संस्कृति की बढ़ती लोकप्रियता एवं सामाजिक जागरूकता के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वानकिया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष कौशल किशोर पाठक, विनोद सैनी ने सभी को धन्यवाद दिया।

किदवईनगर-कानपुर : महाराजा अग्रसेन भवन में आगामी दो वर्ष हेतु चुनाव कार्यक्रम आयोजित किया गयां अजय नारायण अग्रवाल चुनाव अधिकारी रहे। श्री प्रकाश डिडवानिया, के.के. द्विवेदी तथा आर.के. गुप्ता अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष सर्व सम्मति से निर्वाचित हुए। इस अवसर पर सम्वत् 2074 के पंचाग का विमोचन व वितरण भी किया गया। पश्चात् फूलों की होली खेलकर होली उत्सव का आनन्द लिया गया। इस अवसर पर रामशरण श्रीवास्तव पूर्व राष्ट्रीय संरक्षक, प्रमोद दादू, क्षेत्रीय मंत्री एम.एल.अग्रवाल प्रान्तीय संरक्षक भी उपस्थित थे।

कन्नौज : शाखा द्वारा श्री दुर्गा महोत्सव पर सामूहिक सरल विवाह में 9 निर्धन कन्याओं का विवाह सम्पन्न हुआ। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सरोज पाठक ने वर वधू को आशीवाद दिया। प्रान्तीय मंत्री हरीश बजाज तथा श्री ददलानी जी ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। क्षेत्रीय मंत्री शशि भूषण ने उपस्थित अतिथियों का आभार जताया।

बंद कर दिया सांपों को सपेरे ने यह कहकर,
अब इंसान ही इंसान को डसने के काम आएगा।
आत्महत्या कर ली गिरगिट ने सुसाइड नोट छोड़कर,
अब इंसान से ज्यादा मैं रंग नहीं बदल सकता।
गिद्ध भी कहीं चले गए, लगता है उन्होंने देख लिया,
कि इंसान हमसे अच्छा नोचता है।
कुते कोमा में चले गए यह देखकर,
क्या मस्त तलवे चाटता है इंसान।
कोई टोपी तो केई अपनी पगड़ी बेच देता है,
मिले अगर भाव अच्छा तो जज भी कुर्सी बेच देता है।
जला दी जाती है ससुराल में अक्सर वही बेटी,
जिसकी खातिर बाप किडनी बेच देता है।
ये कलयुग है, कोई भी चीज नामुमकिन नहीं इसमें,
कली, फल, फूल, पेड़, पौधे सब माली बेच देता है।
धन से बेशक गरीब रहो, पर दिल से रहना धनवान,
अक्सर झोपड़ी पे लिखा होता है 'सुस्वागतम''।
और महल वाले लिखते हैं:
''कुतों से सावधान''।

काशी प्रदेश, स्वर्णिम वाराणसी : वर्ष 2017-19 के चुनाव व पारिवारिक होली मिलन समारोह कन्हैया लाल स्मृति

भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सदस्यों द्वारा कविता पाठ, नृत्य, होली के गोने, चुटकुले व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संचालन दिलीप अग्रवाल ने किया। मुख्य रूप से संगीता, रिचा, वर्षा, मोना, डॉ. कात्यायनी आदि सपरिवार उपस्थित रहीं।

आजमगढ़ : पारिपारिक होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं का निर्वहन करते हुए अबीर-गुलाल लगाकर अशोक कुमार अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष ने सबको बधाई दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकगीत प्रस्तुत किए गये। बजरंग त्रिपाठी व दीनानाथ लाल ने होली के महत्व पर प्रकाश डाला। बड़ी संख्या में सदस्यों व गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

मुसाफिरखाना-सुल्तानपुर

श्रीहरि शिक्षण संस्थान के सौजन्य से मतदाता जागरूकता अभियान में गया प्रसाद गुप्ता, सेवानिवृत्त, उपजिलाधिकारी श्री यशपाल, सेवा निवृत्त डाक अधीक्षक ने कहा कि मतदान हमारे मत का दान है, पवित्र कर्तव्य है। लोकतंत्र में सही लोग चुनकर आवें, इसलिए सभी को वोट देना आवश्यक है। जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस लें जाना आवश्यक है। बलराम कुमार ने कहा कि संस्कार की अनेक शासन पद्धतियों में लोकतंत्र एक श्रेष्ठ पद्धति है। यह तभी सार्थक होगी जब हम सब इसका हिस्सा बने। गोष्ठी में सभासद शिवशंकर, प्रदीप अग्रहरि, शहनाज बानो, सीमा बानो, पवन जायसवाल तथा सिलाई केन्द्र के प्रशिक्षु उपस्थित रहें।

प्रयाग : होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन 13 मार्च को ज्वाला देवी इण्टर कॉलेज में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आशा गुप्ता थीं। अध्यक्षता प्रयाग शाखा अध्यक्ष मधु सहाय तथा कार्यक्रम संचालन शांति चौधरी सचिव ने किया। इस कार्यक्रम में सभी सदस्य सहित लगभग 400 नागरिक उपस्थित हुए। उदय सिंह 'परदेशी' आकाशवाणी कलाकार द्वारा सरभरी संगीत प्रस्तुति रहीं।

ब्रज प्रदेश, मयूरी अलीगढ़ : शाखा द्वारा उड़ान सोसायटी के साथ मीरा सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उड़ान के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र मिश्र, हिमांशु गुलाटी व चाइल्ड लाइन के समन्वयक नैन्सी वर्गिस ने बाल मजदूरी, बाल हिंसा, बाल अपहरण, बाल कन्या विवाह, यौन शोषण के प्रति जागरूक किया गया। लता गुप्ता तथा अनीता जौहरी ने विचार प्रकट किये। निर्धन योगेश के ऑपरेशन के लिए आर्थिक सहायता दी। इस अवसर पर लता, रश्मि, उमा, सरिता, शिवानी, अनिता, कविता, अर्चना, रीना उपस्थित रही।

मध्य भारत पश्चिम, मन्दसौर : शाखा द्वारा होली मिलन पर श्री जी नर्सिंग होम में परिवार मिलन सम्पन्न हुआ। सदस्यों ने परिषद् के सेवा प्रकल्पों का चयन करके जिम्मेदारी सम्भाली। अध्यक्ष घनश्याम पोरवाल ने सदस्यों का आभार जताया तथा वार्षिक कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। कवि शर्मा एवं नरेन्द्र भावसार का कविता पाठ सराहनीय रहा। परम्परागत रूप से कुमकुम तिलक लगाकर प्लेटफार्म पर यात्रियों को भारतीय नववर्ष की बधाई दी। किश्री, कालीमिर्च तथा नीम के पत्ते के प्रसाद से नववर्ष प्रारंभ किया गयां परिषद् के प्रान्तीय उपाध्यक्ष डॉ. शितिज पुरोहित तथा घनश्याम पोरवाल, शाखा अध्यक्ष ने सभी सदस्यों व नागरिकों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। जिला चिकितसालय परिसर में एक प्याऊ का उद्घाटन मदनलाल राठौर द्वारा कराया गया। प्याऊ का संचालन शाखा के मनोज मेहता व विक्रम सैनी द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सुसनेर : प्रान्त की नई शाखा सुसनेर का गठन हुआ। 54 सदस्यों के साथ श्रीमती राठी अध्यक्ष, जगदीश उपाध्याय, सचिव गिरधर सोनी, कोषाध्यक्ष चुने गये।

असली डिस्टिल्ड वाटर

वर्तमान समय में इन्वर्टर, सौर ऊर्जा, ट्रैक्टर अथवा अन्य उपकरणों में बैट्री का प्रयोग आम बात है। बैट्री में कुछ समय बाद डिस्टिल्ड वाटर डालना पड़ता है। मेजर प्रताप सिंह चौहान ने बाजार में बिकने वाले वाटर तथा वर्षा द्वारा प्राप्त जल का परीक्षण किया तब यह ज्ञात हुआ कि बैट्री के लिए वर्षा का जल अधिक उपयोगी है। वर्षा का जल प्रयोग करने से बैट्री की आयु तीन चार साल बढ़ जाती है, तो देर किस बात की वर्षा का जल संग्रह कर तकनीक का इस्तेमाल करिये।

मध्य भारत उत्तर, समर्पण ग्वालियर : शाखा द्वारा ट्रिपल आई.टी.एम. परिसर के निकट स्थित हजारी थाने के पास निर्धन वस्ती में बच्चों को मिठाई, नमकीन, टॉफी का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रीमती अमित सिंह भदौरिया पार्षद, धर्मवीर राठौर, अध्यक्ष, दिनेश शुक्ला आदि की विशेष उपस्थिति रही। होली मिलन समारोह तथा निर्वाचन होटल सुख सागर में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि समीक्षा गुप्ता, पूर्व महापौर, ज्योति गुप्ता निर्वाचन अधिकारी उपस्थित थीं स्वागत उद्बोधन दिनेश शुक्ला, अध्यक्ष, संचालन दिनेश गोयल, कोषाध्यक्ष तणि विशिष्ट अतिथि विनोद गर्ग, प्रान्तीय महासवि रहे। नवीन दायित्वधारियों के चयन पश्चात् फूल, गुलाल से होली खेल भोजन का आनन्द

लिया।

महाकौशल, बारा सिवनी : देश की संस्कृति और सम्पदा की पहचान कराने के उद्देश्य से शाखा द्वारा भारत जागो मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ में विभिन्न विद्यालयों के 1200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिये गये। सचिव अनिल पिपरेवार के संयोजन में प्रान्त समरसता प्रमुख उमेश जी, रवीन्द्र श्रीवास्तव, सुभाष चन्द्र जी, विधायक डॉ. योगेन्द्र निर्मल, एडीशनल एस.पी. आकाश भूरिया ने सहभागिता की। प्रान्तीय समाचारों में लाजी शाखा द्वारा नशु मुक्ति, परासिया शाखा द्वारा स्वामी विवेकानन्द संगोष्ठी, जबलपुर शाखा द्वारा सामूहिक सूर्य नमस्कार, कटनी द्वारा भक्ति संगीत धूमा द्वारा कम्बल वितरण, लखनादौन शाखा द्वारा 125 कैदियों का स्वास्थ्य परीक्षण सम्पन्न किया गया।

READER'S POST

Dr. Jagdish Chandra Kulkarni from Solapur writes - receiving your valuable useful magazine Niti. Thank you very much. All news editorial, small articles are good. As author, social activist and strong supporter, we never forget you and your good cooperation. Many peoples are reading the magazine/newsletter here. Your and our vision, missions are same. But invitation of programmes (conference, seminar, and training) are not receiving. Send annual report, calendar programme 2017-18. Dr. Kulkarni ji ! Thanking you for appreciating the contents of the magazine. BVP annual report has been published in December 2016 issue –**Editor**

पूर्वी दिल्ली, इन्द्रप्रस्थ विराट : शाखा द्वारा त्रिलोकपुरी के वाल्मीकि आश्रम में 31 निर्धन कन्याओं का विवाह सम्पन्न किया गया। सभी दम्पतियों को गृहस्थी शुरू करने हेतु बर्तन, कपड़े, आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। सभी का विवाह कार्यक्रम धार्मिक रीति रिवाजों से सम्पन्न हुआ। समारोह में असहाय जन सेवा समिति तथा लायन्स क्लब का भी सहयोग रहा।

दिल्ली मध्य : प्रान्त की झलकियों की आकर्षक रिपोर्ट महासचिव श्री सुभाष मनोचा द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यकारिणी तथा संचालन समिति की बैठकों में समूहगान, भारत को जानो और महिला सहभागिता के बड़े कार्यक्रमों की योजना बनी। अशोक विहार के अग्रसेन भवन में आयोजित महिला सम्मेलन में अर्चना सिंघल,पूर्व महापौर महेश चन्द्र शर्मा ने भागीदारी की। प्रियंक गोयल, नीहारिका के द्वारा बेटी बचाओ की नृत्य नाटिका का शानदार मंचन हुआ। पटियाला में आयोजित रीजनल महिला सम्मेलन में कविता अग्रवाल, संगीता गोयल, अनु, शिवानी लम्बा ने सक्रिय सहभागिता की। राष्ट्रीय अधिवेशन अजमेर में प्रान्त का बड़ा समूह चर्चा की विषय रहा। परिषद् सदस्यशें ने अधिवेशन सहित दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी किया। शाखा का तुलसी वितरण, वृक्षारोपण, विश्वविद्यालय, शाखा का गुरु वन्दन समारोह, पटेल नगर का भारत को जानो विशेष चर्चा में रहे। नई शाखा शास्त्री नगर की स्थापना में सत्य नारायण गर्ग, सुरेश कुमार एवं अशोक कुमार की टीम ने शपथ ली। प्रान्तीय अध्यक्ष जोगी राम जैन की सक्रियता से संचालन समिति का सहयोग और केन्द्रीय अधिकारियों का मार्गदर्शन प्रान्त को नई दिशा देने में सफल रहा। संरक्षक भूपेन्द्र मोहन भण्डारी का पार्षद हेतु निर्वाचन भी उत्साह से सराहा गया।

वेस्ट पटेल नगर : शाखा द्वारा द्वारा सदस्य परिवारों का होली मिलन सम्पन्न हुआ। सदस्यों ने होली मिलन के महत्व तथा परिवार संस्कार पर चर्चा कीं बच्चों द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित किये गये। अध्यक्ष श्री गिरीश खट्टर की टीम ने व्यवस्था संभाली।

इन्द्रपुरी : द्विवार्षिक चुनाव (2017-19) सुभाष मनोचा चुनाव अधिकारी द्वारा सम्पन्न कराया गया। दीपक एन. शर्मा अध्यक्ष, मुकेश शर्मा सचिव व सुनील ग्रोवर कोषाध्यक्ष हेतु सर्वसम्मति से नामित हुए।

राजस्थान दक्षिण पूर्व : प्रान्तीय वार्षिक उत्कृष्ठ सम्मान समारोह का आयोजन माहेश्वरी भवन बसंत विहार में हुआ। प्रान्त की कुल 29 शाखाओं ने इसमें भाग लिया। 2016-17 में वर्ष भर उत्कृष्ठ कार्य कर प्रान्त में कोटा सुभाष शाखा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पी.के.जैन, केन्द्रीय मंत्री सीताराम गोयल भी उपस्थित रहे।

रक्तदान का महत्व

रक्तदान का महत्व, तब पता चलता है
जब कोई अपना, आइ.सी.यू. में जिन्दगी के लिए,
संघर्ष कर रहा होता है।
जन्म देने वाली माँ भी, अपने बच्चे को नहीं बचा सकती
उसके मुरझाते हुए चेहरे पर, मुस्कान नहीं ला सकती
लेकिन एक अनजान, करके रक्तदान
अनमोल जिन्दगी को बचा लेता है, यमराज की दहलीज पर
पहुँच चुकी सांसो को, फिर से वापिस ले आता है।

– **मिलाप सिंह भरमौरी।**

बारां : शाखा द्वारा होलिका दहन के अवसर पर बुराईयों की होली जलाई गई तथा जन समूह को बुराईयों को छोड़ने के

लिए प्रेरित किया गया। प्रताप चौक पर परिषद् सदस्यों ने होलिका दहन किया जिसमें राजेश शर्मा जी ने पूलन कराया। पराग टोग्या, महावीर माहेश्वरी, विनोद जैन, राजेश मित्तल सहित सदस्यों ने सहभागिता की। हिन्दू नववर्ष चैत्र प्रतिपदा धूमधाम से मनाया गयां सर्व प्रथम महाराजा प्रताप की मूर्ति को तिलक लगाकर माल्यापर्ण किया। तत्पश्चात् प्रताप चौक पर लोगों को कुमकुम तिलक लगाकर शबरत पिलाया गया। मुकेश गुप्ता, अम्बिका शर्मा, रूपल सेठी, योगेश सोनी आदि की प्रमुख भूमिका रही।

सागोंद : शाखा द्वारा महावीर ई एण्ड टी हॉस्पिटल कोटा द्वारा कान, नाक, गला तथा कैंसर निवारण शिविर का आयोजन हुआं 120 मरीजों ने जांच कराई। 15 मरीजों के ऑपरेशन का चयन किया गया। भामाशाह स्वास्थ्य बीमा के अन्तर्गत सभी ऑपरेशन नि:शुल्क किये जाऐंगे। परिषद् अध्यक्ष अनल मंगल, सचिव विजय ने सेवाएँ दी।

विवेकानन्द कोटा : शाखा द्वारा नववर्ष सम्वत 2074 चैत्र शुल्क प्रतिपदा कार्यक्रम 28 मार्च को धूमधाम से मनाया गया। गोदावरी धाम मंदिर परिसर में सभी का स्वागत चंदन तिलक, नीम कोपल, काली मिर्च व मिश्री देकर नववर्ष की शुभकामनाएँ दी।

कोटा सुभाष : शाखा द्वारा इस वर्ष श्री दीपक गुप्ता, योगेन्द्र शर्मा, सुरेश पवार, पियूष चत्तर, डी.डी. बंसल और गोविन्द माहेश्वरी को विकास मित्र बनाया गया। बधाई।

राजस्थान पूर्व, लोहागढ़-भरपतपुर : शाखा द्वारा नव संवत्सर कार्यक्रम विहारी जी के मंदिर में सम्पन्न हुआ। के. के.खण्डेलवाल ने देश के कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। अनुष्ठान डॉ. सुशील पराशर ने सम्पन्न कराया। समापन पर फल वितरण किया गया।

राजस्थान उत्तर पूर्व, बहरोड़ : शाखा द्वारा हिन्दू नववर्ष 2074 का आयोजन मुख्य चौराहा राष्ट्रमार्ग सेक्टर-8 पर किया गया, जिसमें प्रान्तीय कोषाध्यक्ष विरेन्द्र प्रजापति ने माँ भारती तथा स्वामी विवेकानन्द के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर भारतीय नववर्ष पर प्रकाश डाला। सोनू द्वारा देशभक्ति के गीतों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गयां देवेन्द्र यादव, रूप किशोर अग्रवाल सहित सभी सदस्य तथा शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राजस्थान मध्य : परिषद् में सोशल मीडिया रिपोर्टिंग में राजस्थान मध्य प्रान्त अग्रणी ह। वष्र 2016-17 में प्रान्त ने परिषद् की गतिविधियों, प्रकल्पों तथा सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए पूरी तौर पर नेटवर्किंग का प्रयोग शुरु कर दिया है। इस प्रकार यह प्रान्त परिषद् का प्रथम डिजिटल प्रान्त बन गया है। रीजनल कार्यशाला मध्य रीजन में सवाई माधोपुर में उक्त व्यवस्था के प्रभारी संदीप बाल्दी ने मध्य रीजन के सभी प्रान्तों के प्रतिनिधियों के समक्ष इसका प्रदर्शन किया और सभी प्रान्तों को इस विधि से कार्य को तेजी से निष्पादन का अनुरोध किया। -शुभकामना -मध्य क्षेत्र

भीलवाड़ा : सनातन सेवा समिति और भारत विकास परिषद् के तत्वावधान में नव वर्ष की शोभा यात्रा का आयोजन हुआ। हरि सेवा आश्रम से प्रारम्भ होकर शोभायात्रा में महामंउलेश्वर स्वामी हंस राम उदासीन आखाड़ा के निर्देश परसभी धार्मिक, सामाजिक जातीय बिरादरी के अलावां गायत्री परिवार, जागीण समाज, कोली समाज, नारायणी सेना, करणी सेना, तेली साहू समाज, स्वर्णकार, जैन श्वेताम्बर, शिवमित्र सेवा समिति, सिंधी समाज, वाल्मीकि समाज, इस्कान, भागवत प्रचार, भजन मंडली की झाँकियाँ, जनप्रतिनिधि, नागरिकगण, महिलाएँ शामिल हुई। इस अवसर पर सृष्टि का आरंभ, झूले लाल का जन्म, गुड़ी पाड़वा, उगादि तथा संघसंस्थापक डॉ. हेडगेवार के जन्मदिन का ऐतिहासिक महत्व है। स्वामी हंसराम ने रंगोली बनाने, पताका लगाने, शंख ध्वनि, दीपदान का आह्वान किया। शोभा यात्रा में आन्नद विभूति जगदगुरु राम दयाल जी ने भाग लिया।

आदर्श अजमेर : नव सम्वत्सर का स्वागत और अभिनन्दन समारोह आयोजित हुआ। नसीराबाद रोड माधव द्वार पर नागरिकों को तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर शुभकामना दी। समारोह में पंचाग और पोस्टर बांटे गये। स्टिकर लगाये गये। अध्यक्ष रामचन्द्र शर्मा ने नव वर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। दिनेश दोसोदिया, राधेश्याम, रवीन्द्र, पीयूष, बैकटेश, आनन्द, अनिल का विशेष योगदान रहा।

अजमेर : मुख्य एवं युवा शाखा के चुनाव प्रान्तीय चुनाव पर्यवेक्षक सोमदत्त जी बंसल तथा राम किशोर बहेती के सानिध्य में सम्पन्न हुए। मुख्य शाखा द्वारा सर्वसम्मिति से डॉ. राधे श्याम अग्रवाल, अध्यक्ष, अशोक गोयल, सचिव, विभोर गर्ग, कोषाध्यक्ष चुना गया। इसी प्रकार युवा शाखा हेतु अनुपम गोयल, अध्यक्ष, अनुज गर्ग,, सचिव तथा सुनील गर्ग, कोषाध्यक्ष चुना गया।

ब्यावर : शाखा द्वारा नव वर्ष कार्यक्रम में भारत माता का पूजन किया गया। सदस्यों ने सर्किल पर गुजरते लोगों को चन्दन का तिलक लगाकर स्वागत किया। मिश्री-तुलसी का प्रसाद वितरित किया गया।

राजस्थान दक्षिण, भामाशाह-उदयपुर : 'जन्म दिन मनाइये-एक पौधा लगाइये' प्रकल्प के अन्तर्गत आशा नाहर ने अपने जन्मदिन पर 15 मार्च, 2017 को पूजा पार्क, हिरण मंगरी सेक्टर-4 में अमलतास का पेड़ लगाया गया। इस अवसर पर एल. एल. नाहर, प्रर्यावरण प्रकल्प प्रभारी, दिलीप गाँधी, भंवरलाल रांका आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान पश्चिम, बाड़मेर : शाखा की साधारण सभा में वर्ष 2017–19 हेतु सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न हुए। ओमप्रकाश मेहता, अध्यक्ष किशोर कुमार शर्मा , सचिव हेतु चुना गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को ओ.पी. बिश्नोई, जिला कलेक्टर तथा रामकुमार जोशी, प्रान्तीय उपाध्यक्ष ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर हृदय रोग विशेषज्ञ विमल छाजेड द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त 'जीवन शैली में बदलाव के द्वारा हृदय रोग के रोकथाम और रिवर्सन' पर वार्ता रखी गई। इसमें खान–पान तथा जीवनशैली में बदलाव के अनेक पहलुओं पर बताया गया। कार्यक्रम का संचालन गोरधनराय प्रजापत ने किया।

Moments of Pride: In Mumbai a Pakistani female free style wrestler defeating everybody got high and started using abusive language against Indian and Challenged Indian viewers that if the **Indian has gets** she can come in ring and have a wrestling bont with her. Her challenge was accepted by Sandhya Phudke (A district level RSS worker of lady wing Durga Vahini). During competition Sandhya gave her a very bad defeat.

-Amar Nath Khandelwal

दक्षिण बिहार, बरबीधा : बरबीधा के माहुरी मंडल पंचायत भवन में परिषद् का नववर्ष कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। परिवार के सभी सदस्यों ने नववर्ष पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। – सचिव नवीन कुमार।

कोशी बिहार, सिमरी बख्तियारपुर : हिन्दू जन जागृति संघ के तत्वावधान में परिषद् ने हिन्दू नववर्ष का आयोजन किया। रात्रि में मंगल गायन हुआ। 10 हजार दीप घर–घर बांटे गये। शाखा द्वारा विवेकानन्द जयन्ती के आयोजन में भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। शत्रुध्न प्रसाद, कंचन, रमीज, रीना सिंह, नाजिया, गोपाल, अमित, छबि, हामित, रवि डेजी, स्नेही, निष्ठा, रूपम, दीपक ओर अभिमन्यु ने भाग लिया।

Karnataka South : The Prant held its Annual Meeting for the year 2016-17 at Bengaluru.The event was organised Dr.Anur Venkatachalapathy Setty,General Secretary, Shri Shankara Setty,President, and Shri Sadananda Sastry,Finance Secretary. Branches who enrolled a good number of new members were honored on the occasion. Channapatna, Malavalli,Udipi and Ramanagaram were honored for the cause of membership growth. V.Shankar,Returning Officer conduct of the Election process and the Office Bearers for the year 2017-19.Shri D.P.Swamy, President, Shri D.S.Srinivas, General Secreary, Shri K.N.Dwarakanath, Finance Secretary, and Shri Bapu Gowda Patil, Vice- President. Shri Sadananda Sastry proposed a vote of thanks.

Kanva-Channapatna :The branch presented a unique programe on Women's Day. A beautiful entertainment programe was presented as a mythological drama *Draupadi Vijay Dharam Sansthapana.* Prepared and played by BVP members. It was very much appreciated by the audience and members. It was very much appreciated by the audience and members. R.K. Singh Ex. Chairman DVC spoke in Praudh Sadhna Millan. Retired persons can be involved with bvp to serve our country. Educated personal and officials in different field can be involved in service projects. Eastern region has a vast area to expansion for village and health services. Retired persons have time resources and experience to serve the country. He suggested to publish service news in a newsletter.

TEJASWINI – A SCIENTIST OF THE FUTURE

A 14 years girl of Oddisha invented the cycle which can run upto 60 km without fuel. The cycle does not need even paddling because it runs only on air pressure. Her invention is captured eyes of the scientist who are looking for a solution to fight our pollution in the world.

Gujarat Central, **Indrapuri-Vadodara** : The branch organized a TILAK HOLI utsav on 13th March 2017. 70 family members participated followed by lunch. Shri Piyushbhai Pandya, President has given vote of thanks to all memebrs and special thanks to Shri Navinbhai maheshwariya for performing magic show .

Bapu Nagar : The branch arranged a Dhuleti programme at Raska Vier, near Mahemdabad. 225 persons with family enjoyed the Tilak Holi. A picnic and swimming in Meshvo River. Shri Mukesh Bhai Padshala organized a quiz for below 15 years boys and girls. Shri Bhai Lal Dungrani and Ashok Bhai Kulkarni were present to witness the event.

Delhi West, B Block Janakpuri : The branch organized Annual General Meeting on 19th March, 2017 at Shri Shiv Shakti Sanatan Dharm Mandir. S.P. Mehtani presented the statement of

unaudited accounts. The Branch also honour its vetrans and other social workers with shawls and mementos. Quantity 4 wheel chairs were to handicapped children. K.B. Mahajan, Dr. Ashok Gaur, Sunil Jain were unanimously elected as the President, Secretary and Treasurer for the next two year team 2017-19.

Jammu-Kashmir, Gandhinagar : The branch organized electionfor the term of 2017-19 at suchet Ghar (R.S.Puri). Er. Gopal Krishan Sharma acted as returning officer. Bharat Bhushan sharma, Dr. Ashok Kalsotra and S. Jagsit Singh Ishar were elected unanimously as President, Secretary and Treasurer, respectively. 65 members participated in the election process. Dev Raj Sharma, Prantiya President and Anita Sharma, Prantiya Vice President explained the aims, objective and services being rendered to the down trodden and poor.

ITERESTING

I went to U.S. Ambassy for a visa to visit our friend at U.S. to which place you are going. "San Jose". The officer corrected me. It is "San Hose". J is pronounced as H. in U.S. So how long you will stay there. 7 months from Hanuary to Huly. -**Gopal Krishna**

Punjab West, Urban Estate-Jalandhar : The branch organized a function among students to donate pen, pencil and stationery to the needy persons. Merit students were honored by certificate of appreciation, Vivek Joshi, a physically challenged young man (LLM & MBA passed) was honored by the president of India in different segment of society. Our branch honored his services by a school and citation. Shri Rajesh Agarwal Chief Patron donated 21000/- for poor and needy students. Shri Gulshan Madan and Subhash Joshi addressed the gathering in a Holi Milan Programme at Geeta Mandir. Members enjoyed *Songs, Bhajans* and *Poems.*

Odisha, Bhubaneswar North : Branch celebrated its 18th Foundation Day on 28th March. Pandit Birendra Kumar Panda was Chief Guest, Sachidananda panda, National Organising Secretary was Guest of Honour. Newely elected office bearers Suresh Chandra Pati, Basanta Kumar Satpathy and Chakradhar Tripathy took oath of office as President, Secretary and Treasurer respectively. Mahila Sahabhagita programme was organized in association with Jagreeti ladies club at metro city apartment. Dr. Shruti Mohapatra, Smt. Shusha Shri Das, Prof. Jayanti Jagdev of Utkal University was guest speakers. Smt. Geeta Raut Neelie Challaeryi, Sangeeta Das and Jyotsana Mehepatra coordinated the event. The speakers emphasized the role of women in Nation building. Every woman has equal right and responsibility like man starting from his own family to the national level. Branch celebrated Indian New Year 2017 in the conference hall of Budha Mandir, presented over by Suresh Chandra Pati. Pandit Virender Kumar Panda a prominent Exponent of Vedas and Vedanta joined as Chief Guest. Shri Panda narrated the human values and importance of Sewa, Shri S.N.Panda national organizing secretary emphasized on the expansion of parishad work. The new team of the branch administrated the oath by Smt. Geeta Patnayak national secretary. A grand culture programme was followed by the function.

LOAN!

Parents do not expect much from us they just expect that the loan of love which we borrowed from them in our childhood, to be returned in old age.

Cuttack Chandi : Holi festival was celebrated with children of Bichitrananda Kalyan Ashram the oldest orphanage in Cuttack. It was established by Madhu Barister. Members of Chandi branch Shanti Latakar president distributed sweets and gifts to the children. Mr. Prasanna Kumar Nanda and Laxmi Narayan Panda conveyed their sense of gratitude to the BVP members.

Assam, Dhubri : Branch observed International Women's Day in Dhubri by organising an awarenes camp cum lecture programme. The Judicial Magistrate of District Legal services Authority, V.K.Singh delivered his speech. More than 50 women participated.

Telangana, Ameerpet, Hyderabad : the new branch at Ameerpet was installed in Ameerpet Sanath Nagar Area. Shri Shyam sunder Gaud Chairman of Vivekanand Sewa Samiti addressed the members. Shri Subba Rao and Hanumantha Rao patron administered the oath to office bearers and members national organizing secretary Suresh Jain was present.

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पी.के.जैन का प्रवास

महाकौशल प्रान्त के तीन दिवसीय प्रवास पर लाजी शाखा का दायित्व ग्रहण तथा बालाघाट शाखा के कार्यकारिणी सदस्यों को संवाद करने के उपरान्त कटनी शाखा में विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में 600 मरीजों का परीक्षण किया गया जिनमें डायबिटीज, हृदयरोग, रक्तचाप की जांच की गई। अगले दिन नवीन शाखा बडघाट का गठन सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात सिवनी और चौरई शाखा के सदस्यों से भेंट हुई। छिंदवाड़ा और परिसर शाखा में मार्ग दर्शन हुआ। अंतिम दिन पांडुरना शाखा का दायित्वग्रहण नरसिंहपुर शाखा बैठक तथा सौनसर तथा गीटोगाँव शाखा के बाद जबलपुर की शाखाओं के सम्मिलित कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का उद्‌बोधन हुआ। महाकौशल प्रान्त में 24 शाखाओं से बढ़कर इस वर्ष मार्च 2017 में 51 शाखाएं तथा 1500 सदस्यों का लक्ष्य के अन्तर्गत 1450 सदस्य और 47 शाखाएं स्थापित हो चुकी है।

देहदान व नेत्रदान

चण्डीगढ़ (पंजाब पूर्व) श्रीमती केवल खन्ना माता श्री राजन खन्ना का मरणोंपरान्त माधव नेत्र बैंक चण्डीगढ़ को नेत्रदान कराया गया।

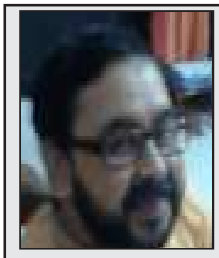

सतना (विन्ध्य प्रदेश) श्री सत्यनारायण पांडे का मरणोंपरान्त श्री गोपाल धूत व योगेश जैन के प्रेरक से सद्‌गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट को नेत्रदान कराया गया।

रोहतक (हरियाणा दक्षिण) निवासी श्री राजीव सुनेजा ने अपने पिता श्री सतेन्द्र कुमार सुनेजा का मरणोंपरान्त श्री अशोक गुप्ता के प्रेरणा से नेत्रदान कराया।

शास्त्रीनगर मेरठ (हस्तिनापुर) श्री परमात्मा सहाय ने अपने पिता श्री रवीन्द्र सक्सेना का मरणोंपरान्त क राजेन्द्र कुमार गुप्ता व रूचि रस्तोगी (एडवोकेट) के प्रेरक से मेडिकल कॉलेज मेरठ को नेत्रदान कराया गया।

नागौर (राजस्थान उत्तर) श्री रिद्धकरण लूनावत पुत्र श्री भीकमचन्द्र लूनावत का मरणोंपरान्त श्री नृत्य गोपाल मित्तल, घेवर चन्द्र नाहटा, हेमन्त जोशी, उम्मीद सिंह राजपुरोहित के प्रेरणा से नेत्रदान कराया।

सतना (विन्ध्य) श्री सतीश चन्द्र जैन ने अपने माता श्रीमती शीलरानी जैन का मरणोंपरान्त सतगुरु नेत्र चिकित्सालय सतना को नेत्रदान कराया।

विनम्र श्रद्धांजलि-रामेश्वर प्रसाद गोयल

प्रयाग : भारत विकास परिषद् के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री श्री रामेश्वर प्रसाद गोयल (एडवोकेट, हाईकोर्ट) लम्बे समय तक उ०प्र० के महान्यायवादी रहे। 1983 में प्रयाग की शाखा गठन न्यायमूर्ति जगमोहन सिन्हा, डॉ. बी.एल.अग्रवाल और उद्योगपति हरिकृष्ण माहेश्वरी की टीम ने परिषद् को ख्याति दी। आगरा, कानपुर, कन्नौज, शिकोहाबाद शाखाओं की स्थापना में उनकी महती भूमिका थी। 1986 के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय संरक्षक के रूप में महीयसी महादेवी वर्मा को जोड़ने का श्रेय श्री गोयल को जाता है। लम्बी बीमारी के बाद उनका शरीर शान्त हो गया। परिषद् की ओर से हार्दिक सम्वेदना।